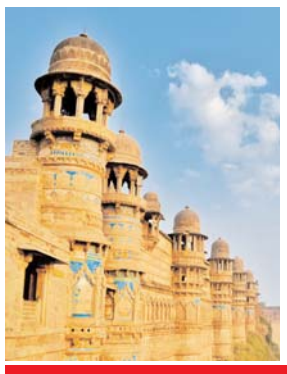

MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 159 | ग्वालियर,18 फरवरी रविवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

कमलनाथ के समर्थकों ने भी सोशल मीडिया पर बनाई कांग्रेस से दूरी, जीतू पटवारी ने बताया इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा, बीजेपी ने दिया कुछ ऐसा रिएक्शन

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं. दिल्ली में कमलनाथ के पहुंचने के साथ ही मध्य प्रदेश में भी हलचल तेज है. इस बीच कमलनाथ के कई समर्थक नेताओं ने भी उनके साथ पाला बदलने के संकेत दिए हैं. कमलनाथ के समर्थक सोशल मीडिया पर कांग्रेस से दूरी बनाते हुए नजर आ रहे हैं.इस बीच मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कमलनाथ को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का तीसरा बेटा बताते हुए अटकलों को निराधार बताया है. वहीं, बीजेपी ने संकेत दिए हैं कि कमलनाथ पार्टी में शामिल हो सकते हैं.कांग्रेस नेता और कमलनाथ के करीबी माने जाने वाले सज्जन सिंह वर्मा ने सोशल मीडिया पर पार्टी के निशान से दूरी बना ली है. उन्होंने ठीक उसी तरह से अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल से कांग्रेस पार्टी का निशान हटा लिया है जैसे कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ ने हटाया है. उन्होंने साफ कर दिया है कि कमलनाथ का अपमान नहीं सहेंगे.

जहां कमलनाथ वहां सज्जन सिंह वर्मा भी- मध्य प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं में शुमार रहे सज्जन सिंह वर्मा भी कमलनाथ की राह पर चलने के संकेत दे चुके हैं. उन्होंने अपनी प्रोफाइल से पार्टी का निशान हटाने के बाद कहा, ÷कमलनाथ के साथ पिछले 40 वर्षों से हैं. नाथ द्वारा अपनी डीपी से कांग्रेस पार्टी का निशान हटाया उसी के चलते प्रतीकात्मक रूप से मैंने अपना प्रोफाइल बदला है. हमारे नेता का मान, सम्मान जरूरी है. अभिमान नही.उन्होंने पार्टी छोड़ने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि अभी किसी भी पार्टी में जाने का कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है. कुछ ही घंटे के बाद बता दिया जाएगा. कमलनाथ के कदम जहां पड़ेंगे, वहां सज्जन सिंह वर्मा रहेंगे.

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख जीतू पटवारी ने कमलनाथ की सराहना करते हुए कहा कि संजय गांधी और कमलनाथ जी की कैमस्ट्री को सब ने देखा है. कमलनाथ जब चुनाव लड़े तब इंदिरा गांधी ने उन्हें तीसरे बेटे के रूप में मिलाया.उन्होंने मध्य प्रदेश में कांग्रेस की पूर्व सरकार को याद करते हुए कहा, मुझे याद है जब सिंधिया जी ने कांग्रेस की सरकार गिराई थी तब भी कांग्रेस कार्यकर्ता कमलनाथ जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे. कोई सपने में ही सोच सकता है

जगद्गुरु रामभद्राचार्य को मिलेगा ज्ञानपीठ पुरस्कार, मशहूर गीतकार कवि गुलजार भी होंगे सम्मानित

गीतकार गुलजार और जगतगुरु रामभद्राचार्य को इस बार का ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलेगा. ज्ञानपीठ पुरस्कार चयन समिति ने दोनों के नामों को घोषणा कर दी है. उर्दू के लिए मशहूर गीतकार गुलजार और संस्कृत के लिए जगतगुरु रामभद्राचार्य को 58वां ज्ञानपीठ सम्मान दिया जाएगा. भारतीय ज्ञानपीठ के महाप्रबंधक आरएन तिवारी ने आईएएनएस को बताया कि प्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में चयन समिति ने फैसला लिया.

इस बार गुलजार और जगतगुरु रामभद्राचार्य को मिलेगा ज्ञानपीठ सम्मान -बैठक में ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसुदन आनन्द भी शामिल थे. गौरतलब है कि 1944 में भारतीय

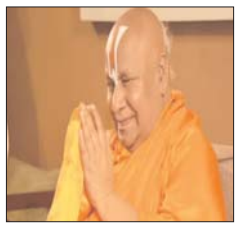

ज्ञानपीठ की स्थापना की गई थी. वर्ष 1965 से भारतीय साहित्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिवर्ष ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की शुरुआत हुई. संस्कृत भाषा को दूसरी बार और उर्दू के लिए पांचवीं बार ज्ञानपीठ पुरस्कार दिया जा रहा है. ज्ञानपीठ पुरस्कार देश का सर्वोच्च साहित्य सम्मान है. विजेताओं को पुरस्कार में 11 लाख रुपए की राशि, वाग्देवी की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा.

ज्ञानपीठ पुरस्कार चयन समिति ने उर्दू और संस्कृत के लिए किया एलान-रामभद्राचार्य का जन्म 1950 में जौनपुर के खांदीखुर्द गांव में हुआ था. चित्रकूट में रहनेवाले रामभद्राचार्य प्रख्यात विद्वान, शिक्षाविद्, बहुभाषाविद्, रचनाकार, प्रवचनकार, दार्शनिक और हिन्दू धर्मगुरु हैं

खंडवा में ज्ञानवापी मामले पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता सज्जाद नोमानी बोले- देश में इस समय..

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ईदगाह मैदान में शुक्रवार (16 फरवरी) रात एक जलसे का आयोजन मुस्लिम समाज द्वारा किया गया. इसमें भारतीय इस्लामिक जानकार और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता ख़लील-उर-रहमान सज्जाद नोमानी शामिल हुए. यहां उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर बैठ कर बात की जा सकती है. हमारी सांस्कृतिक विरासत कभी ऐसी नहीं रही कि मंदिर वाले मस्जिद वालों से बात न करें या मस्जिद वाले मंदिर वालों से बात ना करें. उन्होंने कहा कि देश में इस समय नफरत का प्रोपेगैंडा फैलाया जा रहा है, जिसमें दोनों ही तरफ के लोग फंस रहे हैं. देश की राजधानी दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन पर मीडिया से बात करते हुए इस्लामिक स्कॉलर नोमानी ने कहा कि मुल्क के किसान अगर सरकार के खिलाफ सड़क पर आ गए हैं,

कमलनाथ को भीष्म पितामह बता पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया ने किया दावा, ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे

मध्य प्रदेश कांग्रेस में इस वक्त हलचल मची हुई है. पूर्व सीएम कमलनाथ और उनके बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें हैं और इस बीच दोनों दिल्ली भी पहुंच गए हैं. वहीं, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन खबरों का खंडन भी कर दिया है. वहीं, पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री लखन घनघोरिया ने कमलनाथ का भीष्म पितामह करार देते हुए कहा कि वह कहीं नहीं जाएंगे. वह बीजेपी में जाने का कदम नहीं उठाएंगे. घनघोरिया ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा, हमारे कई वरिष्ठ नेताओं ने इस न्यूज को भ्रामक कहा है. मुझे नहीं लगता है कि कमलनाथ यह कदम उठाएंगे. कमलनाथ ही नहीं जाएंगे तो सीटिंग विधायक क्यों जाएंगे. नरेंद्र सलूजा जी ने क्या ट्वीट किया, मैं नहीं जानता. न तो सलूजा जी कांग्रेस का निर्धारण करते हैं और विधायक

का करते हैं जिनको करना है खुद करना है. हमको नहीं लगता है कि जिनका जीवन समर्पित भाव से कांग्रेस के भीष्म पितामह के रूप में रहा है वह जाएंगे. सब भविष्य गर्भ में हैं.

बीजेपी किसी भी स्तर तक जा सकती है- घनघोरिया वहीं, नकुलनाथ द्वारा सोशल मीडिया बायो से कांग्रेस का नाम हटाने पर घनघोरिया ने कहा कि इसके मायने तो नकुलनाथ बताएंगे. अटकलों पर टिप्पणी नहीं कर सकते. क्या लखन घनघोरिया भी कांग्रेस छोड़ सकते हैं? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि हम जहां हैं वहीं हैं. घनघोरिया ने बीजेपी पर ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का डर दिखाने का आरोप लगाया.उन्होंने कहा कि बीजेपी प्रेशर पॉलिटिक्स खेल रही है. घनघोरिया ने कहा कि जब कांग्रेस का अकाउंट फ्रीज कराया जा सकता है तो वे किस स्तर तक जा सकते हैं. दबने वाले बिकने वाले बिक जाते हैं लेकिन कांग्रेस का हर सदस्य एक जैसा नहीं हैं. कांग्रेस के नेता एकतरफ दलबदल कर रहे हैं तो लोकसभा चुनाव किस तरह लड़ा जाएगा? इस सवाल पर घनघोरिया ने कहा, %%जो हौंसला और जज्बे वाले लोग हैं और सैद्धांतिक पृष्ठ भूमि वाले लोग हैं वो लड़ेंगे. हर बार तानाशाह का बुरा हाल हुआ है. वक्त सबका होता है वक्त सबका आता है.

29 दिनों में शिवपुरी में तैयार हुआ देश का पहला पीएम जनमन आवास, सीएम मोहन यादव ने दी लाभार्थी को बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षी पीएम जनमन योजना के तहत देश का पहला पीएम जनमन आवास महज 29 दिनों में निर्मित हुआ है. मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कलोथरा पंचायत आदिवासी समाज के भागचंद्र ने पहला पीएम जनमन आवास बनाया है. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हितग्राही भागचंद्र को ट्वीट कर शुभकामनाएं दी हैं. पीएम जनमन योजना अति पिछड़े जनजातियों के उत्थान के चलाई गई है. इस योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक लाख से ज्यादा आवास 15 जनवरी को स्वीकृत कर राशि जारी की थी. इस योजना के अंतर्गत शिवपुरी जनपद के कथोथरा पंचायत के सहरिया भागचंद्र आदिवासी ने देश में सर्वप्रथम आवास का निर्माण कर शिवपुरी का नाम भी रोशन किया है. हितग्राही भागचंद्र आदिवासी ने कहा कि इस आवास के निर्माण में प्रशासन का भरपूर सहयोग मिला. ग्राम पंचायत के माध्यम से कारीगर की उपलब्धता, शासन निर्देशानुसार लेआउट समय पर डलना, आवास निर्माण सामग्री कम दाम और बेहतर गुणवत्ता की समय पर उपलब्धता, प्रतिदिन ग्राम पंचायत, जनपद और जिले की टीम का निरीक्षण एवं मार्गदर्शन रहा. जिस कारण मैं देश में सर्वप्रथम पीएम जनमन आवास का निर्माण करने में सफल रहा.

नम आंखों से दिया पीएम मोदी को धन्यवाद-हितग्राही भागचंद्र आदिवासी ने देश का पहला जनमन आवास निर्माण के पर अपनी नम आंखों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद दिया है. भागचंद्र ने बताया कि मेरे परिवार परिवार की सिर पर छत हो गई. असंभव काम पूरा हो गया. भागचंद्र की पत्नी राकुंवर और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी धन्यवाद दिया है.

हैदराबाद के एक लोकसभा सांसद को..., सीएम मोहन यादव ने राम मंदिर को लेकर असदुद्दीन ओवैसी पर बोला हमला

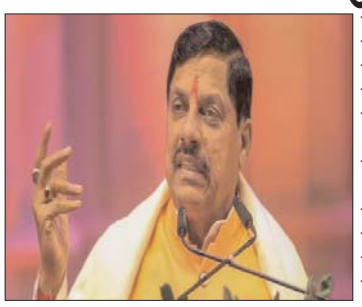

सीएम मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र तेजी से विकास कर रहा है और भारत की शान भी विश्व में बड़ी है. वसुधैव कुटुम्बकम का भाव भारतीय संस्कृति की विशेषता है. हमने किसी का अपमान नहीं किया. कभी हिंदू-मुस्लिम में भेदभाव भी नहीं किया. हमारे लिए सभी समुदाय की बहन-बेटियां बराबर हैं.

ओवैसी पर साधा निशाना-मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ÷पीएम मोदी की सरकार को लगा कि तीन तलाक से हमारी मुस्लिम बहनों की जिंदगी बर्बाद हो गई. सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके खिलाफ फैसला लिया. हैदराबाद के एक लोकसभा सांसद (असदुद्दीन ओवैसी) को अभी भी यह बात हजम नहीं हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया है, जो लोग सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं मानते उन्हें नेता बने रहने का अधिकार नहीं है. हमारी संस्कृति को चुनौती देते हैं और सुप्रीम कोर्ट का अपमान करते हैं. ऐसे लोगों के लिए लोकतंत्र में कोई जगह नहीं होनी चाहिए.÷

भारत के नेतृत्व का डंका हर जगह बज रहा-मोहन यादव ने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत विकास के साथ अपनी संस्कृति के संरक्षण की दिशा में भी आगे बड़ा है. सरयू तट पर अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर के लिए प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद अब संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में भी मंदिर का लोकार्पण हुआ है. आज इस्राइल युद्ध हो या इसके पहले रूस-यूक्रेन युद्ध सभी जगह भारत के नेतृत्व का डंका बज रहा है. कतर जैसे राष्ट्र मानते हैं कि भारत से उसकी मित्रता अमर है और वह भारतवासियों के साथ खड़े हैं. नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के दो कार्यकाल के पहले का समय याद करें तो कई देश भारत का वह सम्मान नहीं करते थे, जो आज करते हैं.

वाराणसी की इन गलियों में पहुंचे राहुल गांधी, जहां गांधी परिवार ने आजतक नहीं रखा कदम

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दूसरे दिन यूपी में अपनी न्याय यात्रा की शुरुआत की और पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में एंट्री ली. काशी में राहुल गांधी की इस यात्रा में काफी भीड़ नजर आई. बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थन यहां पहुंचे थे. वाराणसी में उन्होंने सबसे पहले बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई इसके बाद आगे की यात्रा को बढ़ाया. इस दौरान राहुल की यात्रा काशी की उन गलियों तक गई जहां आज तक गांधी परिवार नहीं गया.यूपी में न्याय यात्रा के दूसरे दिन राहुल गांधी ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में चौथी बार हाजिरी लगाई. राहुल सुबह तकरीबन 9ः45 बजे चंदौली से निकले. जिसके बाद वो गोदौलिया चौराहे पर पहुंचे जहां उन्होंने लोगों को संबोधित किया. इसके बाद वो आगे की ओर बढ़ गए. इस दौरान उनके साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कई नेता दिखाई दिए. राहुल गांधी

को सुनने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे.

यहां आज तक नहीं आया गांधी परिवार-वाराणसी के गोदौलिया चौराहे पर काफी भीड़ मौजूद थी, सियासी जानकारों के मुताबिक कांग्रेस की ये यात्रा गोदौलिया से रथयात्रा रूट पर आज तक कभी गांधी परिवार का कोई सदस्य नहीं पहुंचा है. उनका कहना है कि ये पहली बार है जब यहां पर कोई कांग्रेस नेता राजनीतिक यात्रा करेगा. राहुल से पहले पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी समेत किसी भी नेता ने वाराणसी में इस रूट पर कोई राजनीतिक यात्रा नहीं की है.उधर, अमेठी, रायबरेली व लखनऊ के मार्ग पर यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप दिया दिया जा चुका है. यात्रा कानपुर में 21 फरवरी को रुकेगी. इसके बाद 24 फरवरी को यात्रा मुरादाबाद से फिर शुरू होगी और अमरोहा, संभल, अलीगढ़, हाथरस, आगरा होकर राजस्थान जाएगी. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि राहुल गांधी की इस यात्रा का असर पूरे देश में होगा. यात्रा में लोग अपने आप जुड़ रहे हैं. इस यात्रा को शुरू हुए 35 दिन हो चुके हैं.

सपा से नाराजगी और कांग्रेस से प्रेम? ये दो नेता बढ़ा सकते हैं अखिलेश यादव की टेंशन

लोकसभा चुनाव के लिए बना इंडिया गठबंधन यूपी में बिखर रहा है. सपा से नाराज स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ने राज्यसभा में सपा को वोट न देने का एलान किया है. ये दोनों नेता राहुल गांधी की न्याय यात्रा में शामिल होकर नई संभावना तलाशने में जुट गए हैं.राजनीतिक जानकर बताते हैं कि लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिखाई दे रही है. अखिलेश द्वारा घोषित सात सीटें पा चुके जयंत चौधरी ने गठबंधन से हांथ छुड़ा अपनी राह अलग कर ली, वह भाजपा के साथ जाने का मन बना चुके हैं.

अनदेखी का आरोप लगाकर छोड़े सपा-रही सही कसर सपा के मसाचिव पद पर आसीन स्वामी प्रसाद ने भेदभाव का आरोप लगाकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. वहीं राज्यसभा चुनाव के दौरान पीडीए की अनदेखी का आरोप लगाकर सपा की विधायक और अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ने राज्यसभा चुनाव में वोट न देने का एलान किया है. इसके बाद उनके सपा से अलग होने की चर्चा भी जोरों पर हैं. पल्लवी पटेल और स्वामी प्रसाद मौर्य एक राह पकड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं. इसी बीच सपा के प्रदेश सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलाकांत गौतम ने अपना इस्तीफा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भेज दिया है. अपने त्यागपत्र में उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ भेदभाव पार्टी के भीतर भेदभाव हो रहा है, इससे बहुजन समाज काफी आहत है.

हो सकती हैं नाराज होने की कई वजहें-वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत कहते हैं कि स्वामी के नाराज होने की एक नहीं कई वजहें हो सकती हैं. वह अपनी बेटी के लिए बदायूं से टिकट चाहते थे. लेकिन अखिलेश ने बदायूं से अपने

परिवार के धर्मेंद्र यादव को टिकट देकर इनका रास्ता बंद कर दिया. स्वामी प्रसाद मौर्य नहीं चाहते थे कि फर्रुखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य को प्रत्याशी बनाया जाए. डॉ. शाक्य की शादी संघामित्रा से हुई थी, लेकिन बाद में तलाक हो गया था. इस बात से भी वह आहत हो सकते हैं.द राज्यसभा जाना चाहते थे, लेकिन सपा ने एन वक्त पर दूसरे को टिकट देकर उनके रास्ते में विराम लगा दिया. स्वामी लगातार हिंदू धर्म, उसके देवी-देवताओं टिप्पणी करते रहते हैं. पार्टी में अंदर से उन्हें किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिलता है. समय-समय उनके बयानों से पार्टी के बड़े नेता अपने को अलग कर लेते थे. स्वामी अपने को लिटमस टेस्ट में देख सकते हैं कि वह किस खाने में फिट हो सकते हैं. कांग्रेस का विकल्प भी उनके लिए खुला है.

अपनी एक पार्टी भी बना सकते हैं-सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन होने की स्थिति में वह किसी एक सीट से कांग्रेस कोटे से दावेदार हो सकते हैं. वह अपनी एक पार्टी भी बना सकते हैं, हालांकि यह सभी अटकलें ही हैं. पल्लवी पटेल ने भी राज्यसभा के टिकट घोषित होने के बाद अपनी नाराजगी जता दी है. उन्होंने सपा पर पीडीए के विपरीत राज्यसभा में टिकट बांटने का आरोप दागा है. उन्होंने इस चुनाव में वोट न करने का भी एलान किया है. ऐसे में सपा का राज्यसभा चुनाव के का गणित भी उलझता नजर आ रहा है.पल्लवी कांग्रेस की यात्रा में शामिल हो रही है. वह कुर्मी वोट बैंक को सहेजने के लिए यह कदम उठा रही है. कांग्रेस से डायरेक्ट डील में उनकी पार्टी को ज्यादा सीट मिलने की भी संभावना है. अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को अपना समर्थन दिया है. पल्लवी ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में आज हम अपना समर्थन और संकल्प देने आए

सायबर सेल टीम ने लगभग 20 लाख 50 हजार रुपये के 111 मोबाईल खोज निकाले मोबाईल वापस मिलने पर मोबाईल मालिको के चेहरे पर लौटी मुस्कान

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड डॉ. असित यादव को मोबाईल गुम होने सम्बन्धी आवेदन लगातार प्राप्त हो रहे है। पुलिस अधीक्षक भिण्ड द्वारा उक्त आवेदनो पर तत्काल कार्यवाही कर उन्हे ट्रैस करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक को निर्देशित किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा सायबर सेल टीम को जिला भिण्ड में गुम हुये मोबाइलो को ट्रैस कर शीघ्र बरामद करने हेतु लगाया गया।वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों के परिपालन में कार्य करते हुये सायबर सेल टीम ने मोबाईल गुम सम्बन्धी आवेदनों पर कार्यवाही करते हुये विभिन्न कम्पनियों के मोबाईलो को ट्रैस कर बरामद किया गया। सायबर सेल ने विगत 06 माह में लगभग 20 लाख 50 हजार रुपये कीमत के 111 मोबाईलों को कई राज्यो (उ.प्र., गुजरात, दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र) से बरामद किये गये जोकि रीयलमी, ओपो, वीवो, एमआई, सैमसंग, टैक्नों,

इनफिनिक्स, मोटोरोला, बनप्लस आदि कम्पनी के हैं,जिनका दिनांक 17/02/24 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कॉफेन्स में भिण्ड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाईल मालिकों को सुपुर्द किया गया।मोबाईल वर्तमान मे भारतीय थल सेना एवं वायु सेना,आर्मी में तैनात जवानों के साथ-साथ भूतपूर्व सैनिकों, मालीं, खिलाडी,स्टूडेन्ट,ग्रहणी महिला, अध्यापक एवं पुलिस कर्मचारियों आदि के थें इनमे से कुछ आवेदक ऐसे है,जो मोबाईल खरीद ही नही पायें, कई लोगो द्वारा बताया गया कि रास्ते मे काम पर जाते समय मोबाईल गुम हो गया था परन्तु जब आज सायबर सेल द्वारा मेरा मोबाइल खोजकर वापिस किया गया,तो मुझे बहुत खुशी हुई। भिण्ड शहर की एक ग्रहणी द्वारा बताया गया कि मेरा मोबाईल बाजार मे गुम हो गया था जिसकी वजह से मुझे बहुत परेशानी का सामना करना पडा परन्तु आज सायबर सेल टीम द्वारा मुझे बुलाकर मेरा मोबाईल खोजकर वापस किया गया तो मुझे बडी खुशी हुयी है,मोबाईल धारकों को मोबाईल वापस मिलने पर सभी के चेहरे पर पुनः मुस्कान आ गयी है मोबाईल मालिकों द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सराहनीय भूमिका-उक्त उल्लेखनीय कार्य मे सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र यादव, सहायक उपनिरीक्षक सत्यवीर सिहं,प्रधान आरक्षक प्रमोद पाराशर,महेश कुमार,सतेन्द्र यादव, आरक्षक आनन्द दीक्षित,राहुल यादव,हरपाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ऊमरी पुलिस ने कस्बे में निकाला पैदल मार्च

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव एवं एएसपी संजीव पाठक के निर्देशन में तथा उप पुलिस अधीक्षक संजय कोच्छा के मार्गदर्शन में ऊमरी थाना प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र शर्मा ने दलबल के साथ में कस्बा ऊमरी में पैदल भ्रमण कर बाजार की व्यवस्थाओं को देखा।टीआई श्री शर्मा ने भ्रमण के दौरान रोड पर खड़े वाहनों को रोड के नीचे व्यवस्थित खड़ा कराया। रोड पर खड़े हाथ ठेले वालों को समझाईश देकर रोड के नीचे व्यवस्थित खड़ा कराकर रोड पर यातायात व्यवस्था को सुगम कराया गया। दुकानों के बाहर व्यापारियों द्वारा अस्त-व्यस्त तरीके से रख दिए गए सामान को दुकान के अंदर कराया। भारी वाहन चालकों को कस्बे से गुजरते समय कम स्पीड से चलने की हिदायत दी, पालन न करने में चालानी कार्यवाही करने की चेतावनी दी। व्यापारियों से तथा हाथ ठेले वालों से संवाद कर रोड पर सामान ना रखने तथा रोड पर हाथ ठेला न खड़ा करने हेतु सभी से अनुरोध करते हुए समक्षाइश दी।थाना ऊमरी निरीक्षक रविंद्र शर्मा ने कस्बे में पैदल मार्च करते हुए लोगों को समक्षाइश देते हुए अनुरोध किया कि सभी कानून के नियमों का पालन करें, साथ ही चेतावनी दी की अगर कोई गैरकानूनी कार्य करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रथम प्राचार्य स्व. श्री रामसेवक शर्मा स्मृति पुरस्कार वितरण सम्पन्न

अम्बाह- अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बाह के प्रथम प्राचार्य स्वर्गीय श्री राम सेवक शर्मा की पुण्य स्मृति में शनिवार को महाविद्यालय सभागार में पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष स्वर्गीय रामसेवक शर्मा की स्मृति में उनके परिवारी जन द्वारा महाविद्यालय में अध्यनरत सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दिए जाते हैं। सत्र 2022- 23 में जिन विद्यार्थियों ने स्नातक स्तर पर कला संकाय और विज्ञान संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए थे, उनमें कु. रौनक जैन बी ए प्रथम वर्ष, कु. स्नेहा सिकरवार बीएससी प्रथम वर्ष, कु. प्राची शर्मा बीकॉम प्रथम वर्ष, यश जैन बीए द्वितीय वर्ष, कु स्नेहा तोमर बीएससी द्वितीय वर्ष को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल बैग और नकद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में भौतिक शास्त्र के पूर्व प्राध्यापक डॉ. पीके शर्मा एवं स्वर्गीय श्री रामसेवक शर्मा के पुत्र राजेश शर्मा, शैलेश चंद्र शर्मा, नाती रोहित शर्मा ने अपने अपने हाथों से विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए।यह कार्यक्रम कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो दिवाकर शर्मा के संयोजन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामकिशोर उपाध्याय ने किया। महाविद्यालय के इंचार्ज प्राचार्य डॉ. कमल भारद्वाज ने सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया और उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भी मेहनत करें, पढ़ाई के प्रति प्रतिस्पर्धा करें ताकि अगले वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने में आपका भी नाम हो।

भागवत कथा एक ऐसा अमृत है कि इसका जितना भी पान किया जाए मन तृप्त नहीं होता है-रमाकांत जी महाराज

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- भागवत कथा एक ऐसा अमृत है कि इसका जितना भी पान किया जाए मन तृप्त नहीं होता है।यह बात कथावाचक परम् पूज्य पंडित रमाकांत महाराज जी ने दबोह क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सिद्ध धार्मिक स्थल मां रणकौशला देवी मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कही।उन्होंने कहा कि हिरणकश्यप नामक दैत्य ने घोर तप किया,तप से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी प्रकट हुए व कहा कि मांगों जो मांगना है।यह सुनकर हिरनयाक्ष ने अपनी आंखें खोली और ब्रह्माजी को अपने समक्ष खड़ा देखकर कहा-प्रभु मुझे केवल यही वर चाहिए कि मैं न दिन में मरूं,न रात को,न अंदर,न बाहर,न कोई हथियार काट सके,न आग जला सके,न ही मैं पानी में डूबकर मरूं,सदैव जीवित रहूं।उन्होंने उसे वरदान दिया।हिरणकश्यप के पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु के परम भक्त थे।हिरणकश्यप भागवत विष्णु को शत्रु मानते थे।उन्होंने अपने पुत्र को मारने के लिए तलवार उठाया था कि खंभा फट गया उस खंभे में से विष्णु भगवान नरसिंह का रूप धारण करके जिसका मुख शेर का व धड़ मनुष्य का था।प्रगट हुए भगवान नरसिंह अत्याचारी दैत्य हिरनयाक्ष को पकड़ कर उदर चीर कर बध किया।आगे उन्होंने कहा कि कहा कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है।उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है।उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया।उन्होंने जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध,लोभ,मोह,हिंसा,संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए।भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है।उन्होंने भगवत कीर्तन करने,ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया।आपको बता दें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 22 जनवरी 2024 को माँ जगतजननी रणकौशला देवी के जन्मोत्सव के चलते श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन मन्दिर परिसर में किया जा रहा है।जिसमे कथा का रसपान कथाव्यास परम् पूज्य पंडित रमाकांत जी महाराज के द्वारा श्रोताओं को कथा का रसपान कराया जा रहा है।वहीं इस बार पारीक्षत बनने का सौभाग्य तहसीलदार अमित दुबे के माता पिता राधामोहन दुबे-श्रीमती रेखा दुबे को प्राप्त हुआ है।चरण सेवक के रूप में अमित दुबे(तहसीलदार) व उनकी पत्नी दिव्या दुबे(उप पुलिस अधीक्षक)को अवसर मिला है।

दतिया मोटल संचालक दीपक सचदेवा की बड़ी मुश्किलें तहसीलदार ने भेजा नोटिस

दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

तीन दिवस में भरना होगी 2 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि नहीं जमा करने पर होगी संपत्ति की कुर्की 12 और 14 फरवरी को मोटल संचालक नहीं हुए पेश फिर क्या उपस्थित होकर 2 करोड़ 25 लाख भरना होगा पैसा तहसीलदार ने दी चेतावनी

सब्जी व्यापारियों के गोदाम में लगी लाग,लाखो का माल जलकर खाक

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर में शुक्रवार देर रात अज्ञात कारणों के चलते हॉस्पिटल के पास बमे सब्जी गोदाम की दुकानों में भीषड़ आग लग गई।आग लग जाने से लगभग आधा दर्जन से ज्यादा सब्जी व्यापारियों के गोदाम मय माल के जलकर राख हो गए।जानकारी के अनुसार दबोह नगर के बाजार में सब्जी की दुकानें संचालित करने वाले सब्जी विक्रेताओं के करधेन तालाब रोड पर प्राथमिक उपस्वास्थ्य केंद्र के पास गोदाम बने हुए हैं।जिनमें सामान रखने के साथ ही वह लोग रात को दुकान बंद कर अपना ठेला भी रख देते हैं।शुक्रवार रात व्यापारी अपने गोदाम बंद कर घर चले गए मगर रात में ही उन्हें जानकारी मिली कि उनके सब्जी के गोदाम में आग लग गई है।जिसके बाद सब्जी व्यापारी मौके पर पहुंचे और फायर बिग्रेड व पुलिस को तत्काल सूचना दी।सूचना के कुछ समय बाद मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक व्यापारियों का माल पूरी तरह से आग में जल चुका था।बताया जा रहा है कि आग लगने से व्यापारियों का लगभग दो लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।क्योंकि उनके गोदाम में हाथ ठेला,क्रेट,वारदाना व सब्जी का स्टॉक आदि रखा हुआ था जो पूरी तरह से जल गया था।उक्त घटना की जानकारी मिलते ही अलसुबह पटवारी अवध बिहारी मौके पर पहुंचे और पंचनामा तैयार किया।इसी के दौरान घटना की जानकारी लगते ही मौके का मुआयना करने स्थानीय भाजपा नेता भी सब्जी व्यापारियों के बीच पहुंचे और उनके नुकसान का उचित मुआवजा दिलाने की बात कही।परन्तु सुबह 10 बजे तक स्थानीय नगर परिषद की ओर से कोई भी जिम्मेदार अधिकारी सब्जी व्यापारियों के बीच नही पहुंचा।भाजपा नेताओं में वार्ड पार्षद लालता कुशवाह,अंजनी कुरचानिया,जसमन्त दोहरे,संजीव यादव मौजूद थे।वहीं पूरी घटना की जानकारी जब लहार विधायक अम्बरीष शर्मा को फोन पर मिली तो उन्होंने इस घटना को दुखद बताया,उन्होंने कहा कि सब्जी व्यापारियों के साथ आगजनी की यह घटना दुखद है वरिष्ठ अधिकारियो से बात कर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा।साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अभी पार्टी के कार्यक्रमो की वजह से बाहर हूँ आते ही पीड़ित सब्जी व्यापारियों से मुलाकात करूंगा।

इनके गोदाम जलकर हुए खाक-बीती राज सब्जी मंडी गोदाम में आग लगने से रेशमा पत्नि मुबीन खॉन, मोहन सिंह पुत्र लक्ष्मीनारायण कुशवाह,नीतेश पुत्र फूल सिंह कुशवाह,अशोक पुत्र लक्ष्मीनारायण कुशवाह,प्रदीप पुत्र अशोक दौहरे, लक्ष्मीनारायण पुत्र बाबूलाल कुशवाह, शकीना पत्नि सुलेमान खॉन,लालता पुत्र कलकाई माहौर निवासी चढ़रौआ के गोदाम जलकर राख हो गए।

नगर परिषद ने लाखो की लागत से बनवाई थी सब्जी मंडी की दुकाने-

यहां बताना मुनासिब होगा कि नगर परिषद दबोह ने लाखों रुपये की लागत से बाजार में इधर उधर लगने वाली सब्जी मंडी को एक जगह लगवाने के लिए निर्माण कराया था।परंतु उनमें आज तक सब्जी व्यापारी तो शिफ्ट न हो पाए पर उनके गोदाम ही शिफ्ट हो पाए।व्यापारियों का कहना है कि नगर परिषद उन्हें नवीन सब्जी मंडी में सुविधा मुहैया नही करा पा रही है जिसकी वजह से वह अपनी दुकानें वहां शिफ्ट नही कर पा रहे है।

सीरवी समाज शिमोगा नवनिर्मित भवन का हुआ उद्घाटन ,जयकारों के साथ तस्वीर, अखंड ज्योत,पाठ की हुई स्थापना

दैनिक पुष्पांजली टुडे

शिमोगा। मलनाड सीरवी समाज ट्रस्ट शिमोगा के तत्वाधान में नवनिर्मित भवन उद्घाटन, आईमाता तस्वीर तथा अखंड ज्योत स्थापना कार्यक्रम दिनांक 15 फरवरी गुरूवार को जयकारों के साथ हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रात- पंडित विनोद के नेतृत्व में ब्रहम मुहूर्त में लाभार्थी परिवारों ने जयकारों बीच समाज की आराध्य आईमाता की तस्वीर स्थापना की और इसके साथ अन्य देवी देवताओं की तस्वीर भी स्थापना की गई। इसके बाद जयकारों के साथ अखंड ज्योत ,कलश और पाट भी विधि-विधान पूर्वक स्थापित किए गए। विभिन्न चड़ावो के लाभार्थियों ने देवी देवताओं की तस्वीर पर तिलक, भोग व हार अर्पित किए। भवन में आयोजित धर्मसभा में अध्यक्ष लालाराम गेहलोत ने आगंतुकों का स्वागत किया। इससे पूर्व दिनांक 14 फरवरी बुधवार रात्रि को भजन संध्या का आयोजन हुआ। भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या कार्यक्रम में समाज बंधुओ ने चड़ावो की बोली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गुरूवार को सुबह वरघोड़ा निकाला गया। वरघोड़े में पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर पहुंचे महिलाएं व पुरूषों ने भाग लिया। राजस्थानी अंदाज में चंग की थाप पर पावों में घुंघरू पहने हाथों में छतरियां लेते हुए आईजी के जयकारे लगा रहे थे।आयोजन को लेकर विभिन्न मार्गो से गाजे बाजे संग शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में में बड़ी संख्या में सजी-धजी बालिकाएं महिलाएं सिर पर कलश लिए मंगल गीत गाती नजर आई। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। विभिन्न मार्गो से होता हुए वरघोड़ा भवन परिसर में पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हुआ। कार्यक्रम के तहत जयमान द्वारा हवन में पुर्णाहुति दी गई। महाआरती के पश्चात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं महाप्रसादी ग्रहण किया। सचिव तुलसाराम परिहार ने भाषण स्वागत किया। इस मौके पर संस्था के उपाध्यक्ष मानाराम बर्फा, सह-सचिव मोहनलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र सातपुरा, सह-कोषाध्यक्ष भगवान राम राठौड़ एवं भवन निर्माण समिति केवल राम आगलेचा, पेमाराम सातपुरा, सुखलाल काग,रामलाल पंवार, मंगलाराम सोलंकी, भगवानराम राठौड़ एवं महिला मंडल गेर मंडल नवयुवक मंडल सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन / ऑफलाइन कर सकते हैं आवेदन

भिण्ड 17 फरवरी 2024 मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा है कि ऐसे मतदाता जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वे अपना नाम मतदाता सूची में जु?वा सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए नागरिक ठ्ठ के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन करने के लिए बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही निर्वाचन संबंधी किसी भी जानकारी एवं सहायता के लिए मतदाता कार्यालयीन समय में टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल कर सकते हैं।

खरगोन पुलिस की चोर गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही,खरगोन पुलिस की चोर गिरोह के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

चोरी करने वाले गिरोह के 05 सदस्य गिरफ्तार

गिरफ्तारशुदा आरोपीयो के कब्जे से चोरी के आभूषण व नगदी जप्त

जप्तशुदा मशरुके की कीमत लगभग 03 से 04 लाख रुपये

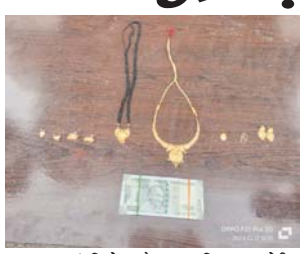

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे । पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) खरगोन श्री मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) खरगोन तरुणेन्द्रसिंह बघेल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारीयों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे थाना गोगावां पुलिस टीम व्दारा चोरी करने वालों गैंग के विरुध्द कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरणः-दिनांक 04.12.23 एवं 04.01.24 व 14.01.24 को थाना गोगावां पर सूचना प्राप्त हुई कि, अज्ञात आरोपीयों द्वारा फरियादीयों के दुकान एवं मकान का ताला तोडकर दुकान में रखे चांदी तथा सोने के अभुषण एवं मकान में रखे नगदी सोने के अभुषण चुराकर ले गये । उक्त घटनाओ पर से थाना गोगावां पर अपराध क्र क्रमशः 534/23 06/24, 10/24 धारा 457,380,भादवि में रिपोर्ट पर थाना गोगांवा में उक्ड़त अपराध दर्ज कर विवेचना की गई ।उक्त घटना को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लिया जाकर माल मुल्जिम की पतारसी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देशानुसार गठित पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल के आसपास एवं घटना स्थल पर आने जाने रास्तों के अधिक से अधिक सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले गये व मुखबिरों को भी उक्त चोरी मे संलिप्त व्यक्तियों की जानकारी हेतु लगाया गया परिणामस्वरूप मुखबिर से पुलिस टीम गोगावां को सूचना प्राप्त हुई कि उक्त चोरी की घटनाओ मे अकलीम ऊर्फ भययू ऊर्फ मुन्ड़ना पिता युसूफ जाति मुसलमान उम्र 25 साल निवासी बिलाल मस्जिद खरगोन थाना कोतवाली हाल शाहपुरा थाना गोगांवा द्वारा अपने साथीयो के साथ मिलकर की है । मुखबिर सूचना के आधार पर अकलीम ऊर्फ भययू ऊर्फ मुन्ड़ना को पुलिस टीम ने थाने लाकर पूछताछ की जिसमे अकलीम ऊर्फ भययू ऊर्फ मुन्ड़ना ने उक्त घटनाए अपने साथी सुभाष, अक्षय, एजाज एवं फिरोज के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया गया । उक्त पांचों आरोपीयों के कब्जे से तीनो प्रकरणों का मशरुका सोने चांदी के जेवर किमती 3-4 लाख रूपये व नगदी कुल 26,500/- रूपये जप्त किये गए है । आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश किया जाकर उनका पुलिस रिमान्ड प्राप्त कर अन्य चोरियों के बारे मे पूछताछ की जाएगी ।

गिरफ्तार आरोपियो के नाम -

1.अकलीम ऊर्फ भययू ऊर्फ मुन्ड़ना पिता युसूफ जाति मुसलमान उम्र 25 साल निवासी बिलाल मस्जिद खरगोन थाना कोतवाली हाल शाहपुरा थाना गोगांवा

2सुभाष पिता पुनमचंद सेन 32 साल निवासी दयालपुरा थाना गोगांवा

3.अक्षय पिता हिरालाल वर्मा 27 साल निवासी खामखेडा थाना कसरावद

4.एजाज पिता अयुब जाति मुसलमान उम्र 36 साल निवासी शाहपुरा थाना गोगांवा

5.फिरोज पिता इकबाल जाति मुसलमान उम्र 38 साल निवासी खडकवानी थाना कसरावद

पुलिस टीम -उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग

भीकनगाँव श्री राकेश आर्य, एवं थाना प्रभारी गोगांवा श्री करणसिंह परमार, निरीक्षक.प्रवीण आर्य के नेतुत्व मे उनि राजेन्ड्रसिंह चौहान, उनि सुदर्शन कालोसिया,उनि अमजद खांन, प्रआर. 668 दिनेश मण्ड्डलोई, प्रआर. 804 सुभाष चौहान, प्रआर. 533 राजेन्ड्र चौहान,आर. 277 हेमन्ड्त, आर.70 राहुल, आर.17 अखिलेश, आर. 1046 फारूक, म.आर. 986 सुगना राजपुत, मआर.964 शिवकुमारी बघेल एवं सायबर सेल टीम खरगोन का विशेष योगदान रहा ।

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

चोरी करने वाले गिरोह के 05 सदस्य गिरफ्तार

गिरफ्तारशुदा आरोपीयो के कब्जे से चोरी के आभूषण व नगदी जप्त

जप्तशुदा मशरुके की कीमत लगभग 03 से 04 लाख रुपये

पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह द्वारा जिला खरगोन में हो रही चोरी एवं लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाकर अज्ञात आरोपियों की पतारसी व शीघ्र से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु निर्देश दिये गये थे । पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीर सिंह के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) खरगोन श्री मनोहर बारिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) खरगोन तरुणेन्द्रसिंह बघेल के मार्गदर्शन मे समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एवं समस्त थाना प्रभारीयों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य मे थाना गोगावां पुलिस टीम व्दारा चोरी करने वालों गैंग के विरुध्द कार्यवाही की गई है ।

करोल बाग में लगता है सोमवार बाजार, सस्ते में मिलता है सामान

दिल्ली में शॉपिंग के लिए खूब सारे बाजार हैं। इन्ही बाजारों में से एक है करोल बाग मार्केट। वैसे तो दिल्ली में पूरे हफ्ते भर बाजार लगता है लेकिन करोल बाग में ये बाजार सोमवार के दिन लगता है। हफ्ते में एक बार लगने वाले इन बाजारों का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। करोल बाग मार्केट में ये वीकली बाजार सोमवार के दिन लगता है। इस बाजार में आपको सभी सामान सस्ते दामों पर मिल जाता है। अगप आप 50 से 100 रुपये के दाम पर कुछ खरीदना चाहते हैं तो इस बाजार में जा सकते हैं।

क्या मिलता है इस वीकली बाजार मेंकरोल बाग में लगने वाले वीकली बाजार से आप डिजाइनर पर्स खरीद सकते हैं। इसके अलावा आप यहां से जूलरी, सलवार सूट, लहंगे और मेकअप का भी सामान खरीद सकते हैं। इस बाजार में ब्राइडल लहंगे भी मिलते हैं। अच्छी बात यह है कि ये लहंगे डिजाइनर लहंगों की कॉपी होते हैं। आप यहां से चप्पल-जूते भी ले सकते हैं। क्यों स्पेशल है बाजारसोमवार को लगने वाला ये बाजार सभी लोगों का फेवरिट है, क्योंकि इस दौरान आप कुछ भी चीज खरीदने के लिए मोल भाव कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि यहां आपको सभी तरह की चीजों की वैरायटी भी मिलेगी। मार्केट में जाने का सही समय इस बाजार के लगने का एक समय है। ये 4 बजे से लगना शुरू होता है और 6 बजे तक पूरी तरह से लग जाता है। ऐसे में आप 6 बजे के बाद इस बाजार में जा सकते हैं। मार्केट में रात 10 बजे तक आप आराम से घूम सकते हैं।

आम के छिलके नहीं हैं बेकार, चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए करें इस्तेमाल

गर्मी के मौसम में स्किन काफी ज्यादा डार्क हो जाती है। ऐसा टैनिंग की वजह से होता है। इससे निपटने के लिए आप आम के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैसे तो अक्सर फलों और सब्जियों के छिलके को फेंक दिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई सब्जी और फल के छिलके बड़े काम के होते हैं। स्किन केयर रूटीन में आम के छिलकों का इस्तेमाल कई तरीके से कर सकते हैं। जानिए कैसे-

दाग धब्बे होंगे दूर

अगर आपकी स्किन पर बहुत ज्यादा दाग धब्बे हैं तो इससे निपटने के लिए आप आम के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे चेहरे पर लगाने के लिए आम के छिलकों को अच्छे से पीस लें और फिर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। अब अपने चेहरे को पानी से अच्छे से साफ करें।

स्क्रबिंग करें

आप आम के छिलकों से एक स्क्रब भी बना सकते हैं। इसका स्क्रब बनाने के लिए आम के छिलकों को अच्छे से पीस लें और फिर इसमें कॉफी पाउडर मिक्स करें। अब इस स्क्रब को चेहरे और शरीर पर अच्छे से लगाएं। इसे लगाने के लिए सर्कुलर मोशन में मसाज करें।

टैनिंग होगी दूर

टैनिंग से स्किन काली पड़ जाती है। गर्मियों के मौसम में ये समस्या और भी ज्याद बढ़ जाती है। इसे लगाने के लिए आम के छिलकों को पीस कर पेस्ट बना लें। फिर इसमें एक चम्मच दही मिलाएं और इसे अच्छे से मिक्स करें। इस पैक को लगाने से टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

बच्चा बीमारी से उठा है तो शरीर की कमजोरी दूर करने के लिए खिलाएं ये

बच्चों की इम्यूनिटी काफी कमजोर होती है। जरा से मौसम बदलने से ही सर्दी-जुकाम और बुखार हो जाता है। बीमारी की वजह बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और खाने-पीने में आना कानी करने लगते हैं। ऐसे में बॉडी में कमजोरी होना नेचुरल है। कई बार तो बच्चों को बीमारी की वजह से भूख भी कम लगती है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों को ऐसी चीजें खाने को दें जो उन्हें एनर्जी दें और फिर से हेल्दी बनाने में मदद करे।बच्चे की बढ़ाएं इम्यूनिटीबच्चा अगर बार-बार बीमार पड़ जाता है तो उसकी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करें। इम्यूनिटी स्ट्रांग करने के लिए उसे विटामिन सी से भरपूर चीजें खिलाएं। संतरा, नींबू, मौसंबी जैसे फल विटामिन सी का अच्छा सोर्स हैं और ज्यादातर बच्चे इसे खाना पसंद भी करते हैं। नींबू का शरबत या मौसंबी का जूस बीमारी से ठीक होने और स्वस्थ बनाने में मदद करता है। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि जुकाम होने पर फलों को बिल्कुल भी ठंडा ना दें। फ्रिज में रखें फलों से बच्चों को दूर रखें।थोड़ा-थोड़ा खिलाएंबच्चे जब बीमार होते हैं तो चिड़चिड़े हो जाते हैं और खाना नहीं चाहते। इसलिए बच्चों को थोड़ी-थोड़ी देर में हेल्दी चीजें खाने को दें। जो आसानी से पच जाएं और एनर्जी भी दें।सूप पिलाएंबच्चे को टमाटर का सूप, चिकन सूप या उसकी मनपसंद सब्जी का सूप बनाकर पिलाएं। सूप आसानी से डाइजेस्ट हो जाएगा और बच्चों को सूप के साथ अनाज मिलाकर जैसे चावल या आटा थोड़ा सा मिलाकर खिला सकते हैं। इससे

एनर्जी मिलेगी और पेट भी भरेगा।केला खिलाएंबच्चे जब कुछ खाने को मांगे तो उन्हें केला खाने को दे सकती हैं। मीठा-पका केला ज्यादातर बच्चे खाते हैं और ये एनर्जी भी फटाफट देते हैं।स्ट्राबेरी खिलाएंबच्चे को जुकाम हुआ है तो स्ट्राबेरी खिला सकती हैं। या फिर अंडा खिलाएं। इससे जुकाम कम होगा और सारे जरूरी न्यूट्रिशन भी मिलेंगे।डाइड्रेटेड रखेंबच्चा गर्मी में बीमार हो गया है और पानी नहीं पी रहा तो उसे फलों के जूस या शरबत बनाकर पिलाएं। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी। लेकिन बाजार के जूस और ड्रिंक से पूरी तरह से बचाव करें।

दिल की बीमारियों से बचना है तो इन 7 फूड आइटम्स को खाने से करें परहेज

आजकल की लाइफस्टाइल और फूड्स काफी सारी बीमारियों को पैदा कर रहे हैं। फैटी लीवर, हाई कोलेस्ट्रॉल, हार्ट डिजीज कुछ ऐसी बीमारियां हैं जो हाई बीपी और डायबिटीज की तरह ही ज्यादातर लोगों में हो रही है। ऐसे में जरूरी है खानपान का ध्यान रखा जाए। खासतौर पर दिल की सेहत को दुरुस्त रखने की सबसे ज्यादा जरूरत है। नहीं तो हार्ट अटैक आते देर नहीं लगती। दिल की सेहत को सही रखना है तो हेल्दी खानपान के साथ कुछ फूड्स से बिल्कुल दूरी बनाकर रखनी चाहिए। जो हार्ट ब्लॉकेज से लेकर हार्ट फेलर का कारण बनते हैं। अगर लंबे समय तक हेल्दी रहना है तो इन 8 फूड्स को डेली डाइट से बिल्कुल बाहर कर दें।रेड मीटनॉनवेज के शौकीन मटन और रेड मीट को खाना पसंद करते हैं। लेकिन इन्हें खाने से बिल्कुल दूर रहें। रेड मीट में मौजूद हाई कोलेस्ट्रॉल काफी बैड होता है और सेचुरेटेड फैट होता है। दिल को तंदरुस्त रखना चाहते हैं तो रेड मीट से बिल्कुल दूरी बना लें। फाईड फूड्सपूड़ी, पराठा, समोसा, पकौड़ी जैसी तेल में तली चीजें, फ्रेंच फाईज, बर्गर इन सारी चीजों को डाइट में शामिल ना करें। हार्ट एक्सपर्ट के मुताबिक तेल में तली चीजों में ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट होता है। जो धमनियों को ब्लॉक कर देता है। आप चाहें तो फाईड फूड्स की बजाय ग्रिल, स्मोक और बेक किए फूड्स को खाएं।आइसक्रीम

आइसक्रीम का टेस्ट बच्चों और बड़ों हर किसी को पसंद होता है। लेकिन आइसक्रीम में कंसेंट्रेटेड फार्म में फैट होता है। जो हार्ट हेल्थ के लिए बिल्कुल भी अच्छा नही है। इसलिए आइसक्रीम से कोसों दूर रहें और अपने बच्चों को भी आइसक्रीम खिलाने से बचें। आप चाहें तो घर में ही दूध एंड फ्रूट्स की मदद से आइसक्रीम बना सकती हैं। कुकीज, केक, पेस्ट्रीआजकल सेलिब्रेशन के ज्यादातर मौकों पर लोग केक काटना पसंद करते हैं। लेकिन केक, पेस्ट्री हार्ट की हेल्थ के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं होता है। इसके अलावा कुकीज खाने से भी बचना चाहिए। इन सारे बेकरी प्रोडक्ट में करीब 60 प्रतिशत फैट होता है। जो हार्ट की नसों में जाकर जम जाता है और हार्ट फंक्शन को रोकने लगता है।फुल फैट डेयरी प्रोडक्टफुल फैट क्रीम, दूध, दही, घी, इन सारी चीजों को खाने से अवॉइड करें। अगर आपकी लाइफस्टाइल में फिजिकल वर्क कम शामिल है तो इन्हें खाने से सेहत को नुकसान होता है और हार्ट डिसीज होने का खतरा रहता है।एग यॉकअगर आपकी एज 40 के पार है तो एग यॉक को खाने से बचें। इसमे कोलेस्ट्रॉल का लेवल काफी हाई होता है। बॉडी अगर कोलेस्ट्रॉल को एनर्जी में नहीं कन्वर्ट कर पाती तो धमनियों में ये कोलेस्ट्रॉल जमना शुरू कर देता है और हार्ट ब्लॉकेज और हार्ट अटैक का खतरा रहता है। अगर आप सिडेंटरी लाइफस्टाइल जी रहे हैं तो एग यॉक से दूरी बनाकर रखने में भलाई है। हाई सोडियम फूडप्रोसेस्ड फूड्स, पैकेज्ड फूड, सोडा इन सारी चीजों में सोडियम काफी ज्यादा होता है। हार्ट को हेल्दी रखना है तो हाई सोडियम वाले फूड्स को खाने से बचें।

गर्मी के मौसम में रोजाना पीएं सौंफ का शरबत पेट रहेगा ठंडा और एसिडिटी से होगा बचाव

कैसे बनाएं सौंफ का शरबत

सामग्री

इसे बनाने के लिए आपको चाहिए...

- सौंफ
- इलायची
- काली मिर्च
- खस-खस
- शक्कर
- पानी और बर्फ

कैसे बनाएं

गर्मी के मौसम में अक्सर उन चीजों को खाने-पीने की सलाह दी जाती हैं, जिनकी तासीर ठंडी हो। सौंफ उन चीजों में से एक है। गर्मी के मौसम में हीट वेव से बचने के लिए सौंफ का शरबत बेस्ट है। ये शरीर को ठंडा रखने के साथ ही हाइड्रेट भी करता है। बॉडी के तापमान को कंट्रोल करने के लिए आप रोजाना के रूटीन में इस ड्रिंक को पी सकते हैं। यहां देखिए इसे बनाने का तरीका-सौंफ का शरबत बनाने के लिए आप इसके पाउडर को पहले से ही तैयार करके रख सकते हैं। इसके लिए

सबसे पहले एक पैन को गर्म करें और फिर इसमें सौंफ को रोस्ट करें। इसके बाद इसमें इलायची डाले और इसे भी ड्राई रोस्ट करें। अब एक मिक्सर में इसे डालें और फिर इसमें खस-खस, शक्कर, और काली मिर्च डालें। इसे अच्छे से ब्लेंड करें और फिर एक पाउडर बना लें। अब इस पाउडर को एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करें। इसे आप 6 महीने के लिए आराम से स्टोर कर सकते हैं। जब भी शरबत बनाना हो तो एक गिलास पानी में एक चम्मच पाउडर को मिलाएं और फिर इसमें बर्फ डालकर सर्व करें।

कोटा में छात्रों की आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रहने वाले स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि स्टूडेंट 12वीं में पढ़ाई करता था। सोमवार रात जेईई की रिजल्ट आया था। सुबह उसने पैरेंट्स का फोन नहीं उठाया तब वार्डन को कॉल किया। वार्डन ने गेट को धक्का देकर खोला तो स्टूडेंट पंखे पर लटका हुआ था। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चौथा मामला है। इसके अलावा 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी। राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही हैं। वर्ष 2012 से अब तक यहां 148 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही हैं। कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है। इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानों में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों पर मेडिकल या इंजीनियर की परीक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने को लेकर अभिभावकों व कोचिंग संस्थानों का दबाव होता है। कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहते हैं, जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। बाहर से आने वाले बहुत से छात्र पढ़ाई में पिछड़ जाने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है। यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से ऊपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 500-700 करोड़ रूपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है। कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं। कोटा में बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाओं से चिंतित सरकार हरकत में आई है। कोटा में कोचिंग करने वाले छात्रों के लिए अलग से पुलिस थाना खोला गया है। हॉस्टल के कमरों में ऐसे पंखे लगाए गये हैं जिन पर यदि कोई लटकने की कोशिश करेगा तो उस पर लगी डिवाइस में लगा सायरन बजने लगेगा। सरकार ने छात्रों के मानसिक तनाव के विस्तृत अध्ययन के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम भी बनाई है जो छात्रों से मिलकर आत्महत्याओं के कारणों की जांच करेगी। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोटा में बच्चों की सुसाइड के लिए उनके माता-पिता जिम्मेदार हैं, क्योंकि परिजन अपने बच्चों से उनकी क्षमता से ज्यादा आस लगा लेते हैं। ऐसे में बच्चे डिप्रेशन में आते हैं और खुदकुशी जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिर्देशों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर-तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिर्देशों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा। इनमें छात्रों को स्ट्रेस फ्री रखने और फीस रिफंड प्रोसेस को आसान बनाने समेत कई दिशा निर्देश शामिल हैं। कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड मामलों को लेकर प्रशासन के साथ-साथ पुलिस की स्पेशल सेल भी काम कर रही है। लेकिन फिर भी सुसाइड केस थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक खुले मन से बिना किसी दबाव के पढाई करने लगेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोक कर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी कोटा में पढ़ने वाले छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढ़ाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान जब तक अपने काम को पैसे कमाने की मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब तक कोटा के हालात नहीं सुधरेंगे।

मोदी की राज नीति और कूटनीति होती है हमेशा जीत की गारंटी

ललित गर्ग

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। 2024 के आम चुनावों का रण सज चुका है, कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने भी कमर कस ली है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर बैठकों, मुलाकातों एवं चुनावी गणित को फीट करने का दौर चल रहा है, एक तरफ भाजपा 2 हफ्ते बाद उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन मकर संक्रांति के बाद सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल करने वाला है, लेकिन भाजपा ने स्वयं 370 एवं उसके गठबंधन का 400 का लक्ष्य लेकर ही चल रही है। हाल ही में एक मीडिया हाउस के सर्वे के अनुसार भाजपा को भले ही 2019 की तुलना में केवल एक सीट का फायदा हो रहा है, भले नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है लेकिन उनके गठबंधन को करीब 17 सीटों का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। हो सकता है अन्य माध्यमों से भी ऐसी ही सूचनाएं भाजपा को मिल रही हो, इसलिये उसने 400 के लक्ष्य को हासिल करने का ठाना है। भाजपा एवं मोदी की चुनावी रणनीतियों एवं विश्वास से ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर धमाकेदार जीत दर्ज कर अपनी हैट्रिक पूरी करेगी। इस जीत के बाद भारत में बड़े बदलाव एवं क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। राजनीति, प्रशासनिक, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हो तो कोई आश्चर्य नहीं है। नरेन्द्र मोदी, उनके राजनीतिक सलाहकार एवं भाजपा सम्भवतः इस मोड पर पहुंच गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जितने तरह का रणनीतिक प्रबंधन करने जरूरी थे, वे सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं या जल्द ही कामयाबी से कर लिये जाएंगे। जितनी कमजोर कड़ियां थीं, उनकी मरम्मत कर ली गई है। जिन राज्यों में खराब दृश्य दिख रहे हैं, वहां भाजपा पूरी ताकत से लगी है। भाजपा ने 164 ऐसी सीटों की दो कैटेगरी तैयार कर ली है जहां 45 मंत्रियों को जी-जान से जुटने को कहा गया है, भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे ज्यादा जोर लगा रही है क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की 48 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 2 प्रतिशत से भी कम था, इन सीटों पर विपक्षी गठबंधन अगर एक उम्मीदवार उतार देता है तो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। ऐसी ही खतरे वाली सीटों के लिये भाजपा की तीक्ष्ण एवं प्रभावी रणनीतियां बन रही है। ऐसी ही रणनीतियां से समूचे राष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्यों को बदलने एवं अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा जुटी है। इसके लिये प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़े बड़े फैसले लिये जा रहे हैं। नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा जा रहा है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाया गया है। जब इतना बढ़िया, कौशलपूर्ण और प्रभावी राजनीतिक प्रबंधन हो चुका हो तो चार सौ का लक्ष्य हासिल करना भाजपा के लिये असंभव प्रतीत नहीं होता। वैसे प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता नरेन्द्र मोदी को ही सर्वाधिक पसन्द कर रही है, एक अनुशासित एवं राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित पार्टी के रूप में भाजपा कायम है। मोदी का राजनीतिक कौशल ही है कि आम तौर से सरकारें चुनाव से पहले अपना खजाना खोलती हैं, लेकिन मोदी बिना खजाना खोले एवं लोकलुभावना घोषणाओं के चुनावी वैतरणी को सफलतापूर्वक पार करने की रणनीति बना रही है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं और समुदायों के स्तर पर जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। एक और स्तर इस बार के चुनावी गणित को प्रभावित करती हुई प्रतीत हो रही है, वह है मोदी का राजनीतिक कौशल एवं देश-विकास का उनका संकल्प।

अयोध्या से अबूधाबी तक मोदी ने दुनिया को सनातन संस्कृति से परिचित करा दिया

नीरज दुबे

मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। मंदिर में वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की थी और अब उन्होंने अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया है। अयोध्या में उन्होंने जहां 500 साल पुराना हिंदुओं का सपना सच किया वहीं एक मुस्लिम देश यूएई में भी असंभव को संभव करके दिखा दिया। हम आपको बता दें कि अबू धाबी में जो पहला हिंदू मंदिर बना है उसके लिए पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही की थी। मंदिर के लिए जमीन संयुक्त अरब अमीरात ने दान में दी। मंदिर का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ और अब इसके द्वार श्रद्धालुओं के लिए खुल चुके हैं। अयोध्या से अबू धाबी तक के इस सफर में मोदी ने पूरी दुनिया को सनातन संस्कृति से तो अवगत कराया ही है साथ ही सनातन की शक्ति का प्रदर्शन भी किया है। बात चाहे अयोध्या की हो या अबू धाबी की, दोनों ही जगह जिस तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी वह दर्शा रही है कि सिर्फ पुरानी ही नहीं बल्कि आज की पीढ़ी भी अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करती है और उसके साथ जुड़ना चाहती है।

कैसा दिखता है अबू धाबी का मंदिर

अयोध्या के भव्य, नव्य और दिव्य राम मंदिर के बारे में तो आप सब जान ही चुके हैं इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि अबू धाबी में जिस पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया गया है वह कैसा दिखता है। हम आपको बता दें कि इस मंदिर को वैज्ञानिक तकनीकों और प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया है। दुबई-अबू धाबी शेख जायेद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। इस मंदिर में तापमान मापने और भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए उड़न राख यानी 'फ्लाई ऐश' (कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख) का उपयोग किया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।

हम आपको बता दें कि इस भव्य मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं। मंदिर में वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर अनुसंधान के लिए लाइव डेटा प्रदान करेंगे। यदि क्षेत्र में कोई भूकंप आता है, तो मंदिर इसका पता लगा लेगा।

हम आपको बता दें कि इसके अलावा मंदिर में गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल और भारी ग्लास पैनल का उपयोग किया है जो पारंपरिक सौंदर्यात्मक पत्थर संरचनाओं और आधुनिक कार्यक्षमता का मेल है। संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक तापमान के बावजूद श्रद्धालुओं को गर्मी में भी इन टाइल पर चलने में दिक्कत नहीं होगी। मंदिर में अलौह सामग्री का भी प्रयोग किया गया है। साथ ही मंदिर के दोनों ओर गंगा और यमुना का पवित्र जल बह रहा है जिसे बड़े-बड़े कंटेनर में भारत से लाया गया है। जिस ओर गंगा का जल बहता है वहां पर एक घाट के आकार का एम्फीथिएटर बनाया गया है।

हम आपको बता दें कि मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर पर उत्कीर्ण संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। मंदिर के लिए उत्तरी राजस्थान से अच्छी-खासी संख्या में गुलाबी बलुआ पत्थर अबू धाबी लाया गया है। साथ ही मंदिर के निर्माण के लिए 700 से अधिक कंटेनर में दो लाख घन फुट से अधिक 'पवित्र' पत्थर लाया गया है।

इसके अलावा, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सात अमीरातों का प्रतिनिधित्व करने वाले सात शिखर, ऊंटों की नक्काशी और राष्ट्रीय पक्षी बाज अबू धाबी में पत्थरों से बने पहले हिंदू मंदिर में मेजबान देश की झलक भी पेश करता है। हम आपको बता दें कि सात शिखरों पर भगवान राम, भगवान शिव, भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण, भगवान स्वामीनारायण, तिरूपति बालाजी और भगवान अयप्पा की मूर्तियां हैं। सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। सात शिखर सात महत्वपूर्ण देवताओं को समर्पित हैं। ये शिखर संस्कृतियों और धर्मों के परस्पर संबंध को रेखांकित करते हैं। आम तौर पर, मंदिरों में या तो एक शिखर होता है या तीन या पांच शिखर होते हैं, लेकिन यहां सात शिखर सात अमीरात की एकता के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। हम आपको बता दें कि इन शिखरों का उद्देश्य बहुसांस्कृतिक परिदृश्य में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना है। कुल 108 फुट ऊंचा यह मंदिर क्षेत्र में विविध समुदायों के सांस्कृतिक एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा। उल्लेखनीय है कि मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय पौराणिक कथाओं में हाथी, ऊंट और शेर जैसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जानवरों के साथ-साथ यूएई के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी मंदिर के डिजाइन में शामिल किया गया है। दृढ़ता, प्रतिबद्धता और धीरज के प्रतीक ऊंट को संयुक्त अरब अमीरात के परिदृश्य से प्रेरणा लेते हुए मंदिर की नक्काशी में उकेरा गया है। मंदिर में रामायण और महाभारत सहित भारत की 15 कहानियों के अलावा माया, एजटेक, मिस्र, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफ्रीकी सभ्यताओं की कहानियों को भी दर्शाया गया है। मंदिर में 'शांति का गुंबद' और 'सौहार्द का गुंबद' भी बनाया गया है।हम आपको बता दें कि संयुक्त अरब अमीरात में तीन और हिंदू मंदिर हैं जो दुबई में स्थित हैं। लेकिन अद्भुत वास्तुशिल्प और नक्काशी के साथ एक बड़े इलाके में फैला बीएपीएस मंदिर खाड़ी क्षेत्र में सबसे बड़ा मंदिर होगा। मंदिर में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा बुधवार सुबह शुरू हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने शाम को भव्य मंदिर के उद्घाटन समारोह का नेतृत्व किया जो 10 फरवरी को मंदिर में शुरू हुए 'सद्भावना महोत्सव' के समापन का प्रतीक है।

कौन है वह कार सेवक? जिसकी अब संसद में गूंजेगी आवाज!

आरके

राम मंदिर के लिए कार सेवा, बाबरी मस्जिद पर की चढ़ाई... कौन है बाबरी मस्जिद पर चढ़ने वाला वह कार सेवक, जिसे भाजपा ने बनाया राज्यसभा उम्मीदवारकौन है बाबरी मस्जिद पर चढ़ने वाला वह कार सेवक, जिसे भाजपा ने बनाया राज्यसभा उम्मीदवार। आगामा राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने एक ऐसे 'कार सेवक' को अपना उम्मीदवार बनाया है, जिसने कभी न केवल अयोध्या में राम मंदिर के लिए कार सेवा की थी, बल्कि बाबरी मस्जिद पर भी चढ़ाई की थी. जी हां, महाराष्ट्र के नांदेड़ के रहने वाले डॉ अजीत गोपछड़े को भाजपा ने अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है.

डॉ अजीत गोपछड़े राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के कट्टर समर्थक और कार्यकर्ता रहे हैं. ऐसा कहा जाता है कि अयोध्या में कार सेवा के दौरान वह बाबरी मस्जिद के ढांचे पर चढ़े थे. डॉ. अजीत गोपछड़े मौजूदा समय में महाराष्ट्र में भाजपा की चिकित्सक प्रकोष्ठ के प्रमुख हैं. अजीत गोपछड़े का लंबे समय से आरएसएस और भाजपा के साथ जुड़ाव रहा है. इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, भाजपा के सूत्रों ने पुष्टि की कि साल 1992 में अजीत गोपछड़े, जिन्होंने एमबीबीएस पूरा किया था, अयोध्या में कार सेवा के लिए निकले थे. उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था. भाजपा सूत्रों की मानें तो गोपछड़े उन लोगों में से थे, जो बाबरी मस्जिद विध्वंस के दिन घटनास्थल पर मौजूद थे और वह उन युवाओं के समूह में से थे, जो मस्जिद पर चढ़े थे, जिसकी तस्वीर अब तक वायरल हैं. डॉ. अजीत गोपछड़े महाराष्ट्र भाजपा डॉक्टर्स सेल के प्रमुख हैं और उन्हें जी-20 शिखर सम्मेलन कार्यक्रमों के लिए पार्टी समिति में भी नामित किया गया था. जन कल्याण चिकित्सा शिविरों और सामाजिक सेवा गतिविधियों के आयोजन में अपनी सक्रिय भूमिका के लिए जाने जाने वाले गोपछड़े को भाजपा ने मई 2020 में राज्य विधान परिषद चुनावों के लिए सिफारिश की थी. गोपछड़े ने नामांकन पत्र भी दाखिल किया था, मगर आखिरी वक्त में पार्टी ने अपना निर्णय बदल दिया और उनकी उम्मीदवारी को दिवंगत गोपीनाथ मुंडे और उनकी बेटी पंकजा मुंडे के करीबी विश्वासपात्र रमेश कराड से बदल दिया गया था. हालांकि, इस झटके के बाद भी हटाए जाने के बावजूद भी डॉ. अजीत गोपछड़े ने अपनी पार्टी गतिविधियां जारी रखीं. डॉ. अजीत गोपछड़े को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने उनके योगदान को स्वीकार किया है. इतना ही नहीं, भाजपा ने गोपछड़े को राज्यसभा का टिकट देकर रलिंगायत समुदाय को भी साधने की कोशिश की है, क्योंकि गोपछड़े खुद उसी समुदाय से आते हैं. उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत कर बीजेपी महाराष्ट्र में लिंगायत समुदाय तक पहुंच बनाती नजर आ रही है. इस बीच राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, पूर्व विधायक मेधा कुलकर्णी और आरएसएस कार्यकर्ता डॉ अजीत गोपछड़े को महाराष्ट्र से आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकित करके एक संतुलन बनाने की कोशिश की है. भाजपा ने आगामी राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को कुल सात उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की जिनमें गुजरात के लिए चार जबकि महाराष्ट्र के लिए तीन उम्मीदवारों के नाम हैं. राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि भाजपा ने चव्हाण को नामांकित करके तथा पार्टी के वफादारों को संसद के उच्च सदन में प्रतिनिधित्व करने का मौका देकर एक संतुलनकारी कदम उठाने की कोशिश की है.उत्तर- डर-भय पैदा करना, चुनाव में मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के सिवाय और कुछ नहीं है। ईडी की करीब 97 फीसदी छापेमारी इस वक्त विपक्षी नेताओं पर है।

सोनिया ने संसद पहुँचने इस बार राज्यसभा की राह क्यों पकड़ी?

एनडी

बात चूंकि कांग्रेस की हो रही है तो यह भी जानना जरूरी है कि सोनिया गांधी ने एक रिकॉर्ड बनाया है। वह रिकॉर्ड यह है कि वह कांग्रेस के गठन के बाद से उसकी एकमात्र ऐसी अध्यक्ष रही हैं जिन्होंने सबसे लंबे समय तक पार्टी का नेतृत्व किया। सोनिया गांधी ने राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इसी के साथ ही उत्तर प्रदेश के रायबरेली संसदीय क्षेत्र से निवर्तमान सांसद सोनिया गांधी ने लोकसभा में अपनी राजनीतिक पारी को विराम देते हुए राज्यसभा की राह पकड़ ली है ताकि वह संसद की सदस्य बनी रह सकें। वैसे पहले ही माना जा रहा था कि चूंकि सोनिया गांधी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है इसलिए वह लोकसभा चुनाव लड़ने की बजाय राज्यसभा के जरिये संसद पहुँचें। लेकिन यदि वाकई अस्वस्थता के चलते ही सोनिया लोकसभा की बजाय राज्यसभा जा रही हैं तो यह सोच बिल्कुल भी ठीक नहीं है। यह सही है कि वरिष्ठ नेताओं के अनुभव और मार्गदर्शन की सभी पार्टियों को आवश्यकता होती है लेकिन यह तो जरूरी नहीं है कि वह वरिष्ठ व्यक्ति संसद के किसी सदन का हिस्सा होगा तभी उसके अनुभव का लाभ उठाया जा सकेगा। व्यक्ति को देने की बजाय किसी ऐसे ऊर्जावान व्यक्ति को देनी चाहिए जो देश और समाज के लिए अधिक परिश्रम के साथ काम कर सके। यहां हमारा यह कहने का बिल्कुल भी आशय नहीं है कि बुजुर्ग और अस्वस्थ व्यक्ति को किनारे कर देना चाहिए। दरअसल जिस तेजी के साथ दुनिया आगे बढ़ रही है उसी तेजी से हमें भी कदम ताल बनाये रखने या दुनिया से आगे निकलने के लिए और तेजी के साथ काम करने की जरूरत है। इसे उदाहरण के साथ समझें तो देखें कि अब तक राजस्थान से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह राज्यसभा सदस्य थे। यह सही है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के लिए कई मायनों में अहम योगदान दिया है लेकिन सवाल उठता है कि क्या वह अपने इस कार्यकाल में राज्यसभा में कोई सार्थक काम कर पाये या राजस्थान के हितों को रख पाये? जवाब होगा नहीं। तो सवाल उठता है कि क्यों अपने वरिष्ठ नेताओं को पदों पर बैठाये रखने के लिए राजनीतिक दल संसदीय सीटों को आरक्षित रख लेते हैं? क्या पार्टी में और योग्य नेताओं का अकाल पड़ गया है? 140 करोड़ देशवासियों में से क्या कोई भी योग्य व्यक्ति राजनीतिक दलों को नहीं मिलता है? इसे भी पढ़ें- मोदी ने %अबकी बार 400 पार% की बात यूँ ही नहीं कही है, इसके पीछे पूरा चुनावी गणित है बात चूंकि कांग्रेस की हो रही है तो यह भी जानना जरूरी है कि सोनिया गांधी ने एक रिकॉर्ड बनाया है। वह रिकॉर्ड यह है कि वह कांग्रेस के गठन के बाद से उसकी एकमात्र ऐसी अध्यक्ष रही हैं जिन्होंने सबसे लंबे समय तक पार्टी का नेतृत्व किया। वैसे उनका यह नेतृत्व परिवारवाद के विस्तार का रहा। सोनिया गांधी के अध्यक्ष रहते ही उनके बेटे राहुल गांधी पार्टी में आगे बढ़े और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा की भी पार्टी के मामलों में सक्रिय भूमिका बढ़ी। इसके अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर होने के बावजूद गांधी परिवार पार्टी के मामलों में प्रभावी भूमिका में बना हुआ है। देखा जाये तो इसमें कोई दो राय नहीं कि 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का आधार रख कर सोनिया गांधी ने केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और दस साल तक उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में बनी रही। सोनिया गांधी प्रधानमंत्री तो नहीं बन पाईं लेकिन मनमोहन सरकार के दौरान सोनिया के नेतृत्व वाली समिति ही सुपर प्रधानमंत्री समझी जाती थी। देखा जाये तो इतना सब हासिल करने के बाद जरूरी नहीं था कि सोनिया गांधी संसद की सदस्य बनी रहें लेकिन पद का मोह छोड़ पाना आसान नहीं है। वैसे कांग्रेस की ओर से भले यह कहा जा रहा हो कि सोनिया गांधी स्वास्थ्य कारणों से राज्यसभा गई हैं मगर यह भी एक राजनीतिक हकीकत है कि सोनिया गांधी का इस बार रायबरेली से लोकसभा चुनाव जीत पाना आसान नहीं होता। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से उनके बेटे राहुल गांधी हार गये थे और खुद सोनिया गांधी का जीत का अंतर पहले से बहुत कम हो गया था। पांच साल में वह रायबरेली बमुश्किल ही गई होंगी। अब तो उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा भी रायबरेली का हाल-चाल लेने नहीं जातीं। कोविड

खाने में जान डाल देती हैं चटपटी दही की चटनी बनाने का तरीका है बिल्कुल आसान

घर में अगर वहीं सब्जी, दाल, रोटी बनती है और आप उस खाने का टेस्ट बढ़ाना चाहते हैं तो चटनी सबसे अच्छा ऑप्शन है। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाता है। साथ ही चटनी बनाना आसान भी होता है। चटनी को बनाकर फ्रिज में स्टोर कर लिया जाए तो ये दो से तीन दिन आराम से खाई जा सकती है। तो अगर आप घर में बने खाने का जायका बढ़ाना चाहती हैं तो दही की राजस्थानी स्टाइल चटनी बनाकर रख सकती हैं। इसे बनाना बिल्कुल आसान है। बस लहसुन और दही को इस तरह से मिक्स कर लें। जानें पूरी रेसिपी।लहसुन और दही की चटनी राजस्थानी स्टाइल दही की चटनी बनाने की विधिसबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें। इसे फेंटने के बाद दही में कश्मीरी लाल मिर्च करीब

बनाने की सामग्री

- 1 कप दही
- 6-7 कली लहसुन
- लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- राई
- हींग
- प्याज बारीक कटी हुई
- अचार मसाला पाउडर
- कसूरी मेथी
- हल्दी पाउडर
- नमक स्वादानुसार
- तेल

एक चम्मच डाल लें। साथ में धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर डाल लें। स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स कर लें। लहसुन की कलियों को कूटकर रख लें।

अब किसी पैन में तेल गर्म करें। तेल के गर्म होते ही इसमे जीरा चटकाएं। साथ में राई और हींग का तड़का लगाएं। बारीक कटा प्याज डालें। प्याज भूनने के बाद इसमे लहसुन कुटा हुआ डालकर अच्छी तरह से भूनें। जब ये भुन जाएं तो दही डालकर मिक्स करें और भूनें। दही भुनने के बाद इसमे अचार का मसाला पाउडर और कसूरी मेथी डालकर मिक्स कर दें। बस तैयार है टेस्टी दही की चटनी, इसे फ्रिज में करीब 5 दिनों तक स्टोर किया जा सकता है। खास टिप्समसाले में दही डालते समय ध्यान रहे कि आंच धीमी हो और लगातार दही चलाते रहें। जिससे कि दही फटे नहीं। दही को तब तक चलाएं जब तक कि ये भुनकर तेल ना छोड़ दें। उसके बाद ही इसमे अचार का मसाला पाउडर और कसूरी मेथी डालकर गैस बंद करें।

मेरी मम्मी पसंद करती हैं गर्मियों में दही वाले व्यंजन आप भी ट्राई करें ये 4 दही वाली रेसिपीज

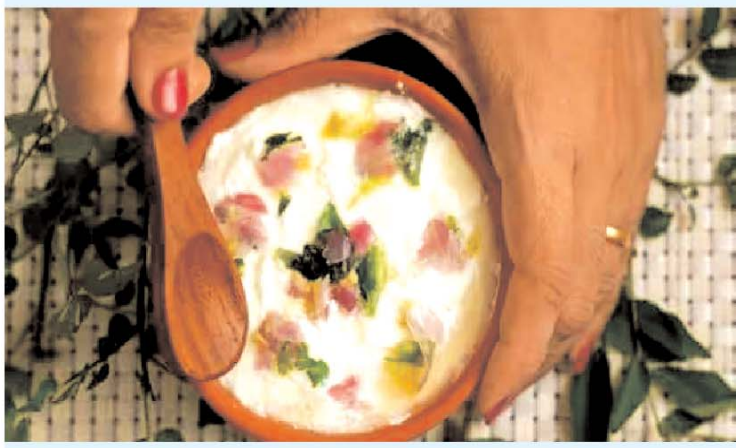

दही खाने के कई लाभ है। यह आपकी गट हेल्थ के लिए अच्छा है, पाचन प्रक्रिया को दुरुस्त करता है, गर्मियों में शरीर को ठंडक देता है और तो और स्किन में भी ग्लो बढ़ाता है। अब इतने फयदे जानने के बाद दही को खाना तो जरूरी है। मेरी मम्मी समर डाइट में हर रोज़ दही एड करना पसंद करती हैं। पर उनके पास दही के इतने सारे व्यंजन हैं कि खाने वाला बोर नहीं होता। उनकी रसोई से मैं आपके लिए लाई हूं दही से तैयार होने वाले 4 व्यंजन। तो चलिए दही की इन रेसिपीज के साथ आप भी हो जाएं कूल-कूल।अ

कई दिनों तक स्टोर हो जाएगी महाराष्ट्रियन स्टाइल मूंगफली की चटनी

रोज के खाने में वहीं दाल, सब्जी खाकर बोर हो गए हैं तो स्वाद बढ़ाने के लिए चटनी, रायता को जरूर बनाएं। ये खाने के टेस्ट को बढ़ा देंगी और फिर बच्चे भी चाव से खाना खा लेंगे। महाराष्ट्रीयन स्टाइल मूंगफली की चटनी स्पाइसी और खट्टी है। जो बोरिंग खाने में भी टेस्ट ला देगी। तो चलिए जानें कैसे बनेगी मूंगफली की खट्टी-तीखीस्पाइसी चटनी।महाराष्ट्रीयन स्टाइल मूंगफली की चटनी बनाने की सामग्री100 ग्राम मूंगफली का दाना5-6 लहसुन की कलियां3-4 सूखी लाल मिर्च साबुत1 चम्मच जीराएक चौथाई चम्मच हल्दी पाउडरनमकमूंगफली की चटनी बनाने का तरीका-सबसे पहले मूंगफली को बिना तेल या घी के ड्राई रोस्ट कर लें। -प्लेट में निकालकर ठंडा हो जाने दें।-पैन को गर्म कर जीरा और साबुत लाल मिर्च को भी ड्राई रोस्ट कर लें।-अब मूंगफली का सारा छिलका निकाल दें।-मिक्सी के जार में जीरा, लाल मिर्च, लहसुन की कलियां, हल्दी पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर डालें और ग्राइंड करें।-अब इस ग्राइंड किए मिक्सचर में छिली हुई मूंगफली को डालकर दरदरा पीस लें। बस तैयार मूंगफली की स्पाइसी चटनी। इसे एयर टाइट कंटेनर में रखकर कई दिनों तक खा सकते हैं। बस फ्रिज में स्टोर करें।

क्या साबुन लगाने से स्किन हो जाती है खुरदुरी जानिए सख्त त्वचा को सॉफ्ट बनाने का तरीका

स्किन की रंगत चाहें कैसी भी हो लेकिन त्वचा का सॉफ्ट और बेदाग होना जरूरी है। अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी स्किन काफी ज्यादा सख्त है और इसकी वजह उन्हें साबुन लगता है। लेकिन क्या वाकई में साबुन के कारण स्किन सख्त हो जाती है आइए, इस आर्टिकल में जानते हैं इस सवाल का जवाब। साथ ही ये भी बताएंगे की कैसे आप सख्त स्किन को सॉफ्ट बना सकती हैंक्या साबुन लगाने से स्किन सख्त होती है जी हां, साबुन लगाने से स्किन सख्त हो सकती है। साबुन में कठोर डिटर्जेंट होते हैं जो आपकी स्किन में नैचुरल तेलों को खत्म कर सकते हैं। दरअसल, स्किन की सतह पर मौजूद नैचुरल ऑयल के कारण त्वचा पर नमी बनी रहती है। अगर बार बार साबुन से त्वचा को साफ करते हैं तो ये नमी खत्म हो जाती है, जिसकी वजह से स्किन में सूखापन, जलन और सूजन जैसी

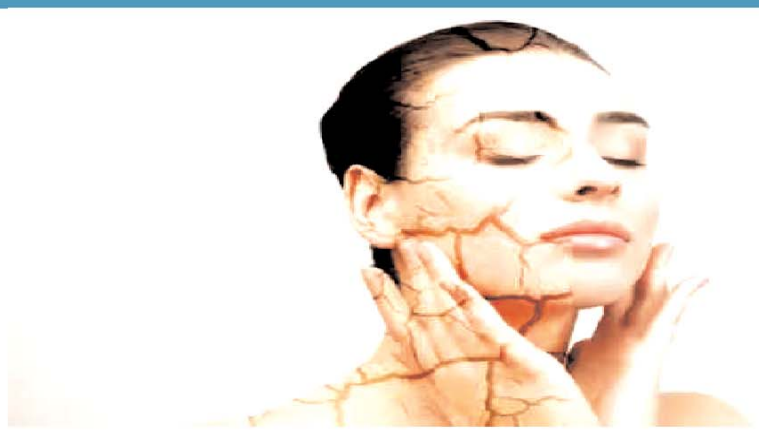

समस्या हो सकती है।सख्त स्किन को कैसे बनाएं सॉफ्टएक्सफोलिएटिंग क्लींजर को रूटीन में शामिल करेंकेमिकल वाली चीजों को लगाने से बचेंएक अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करेंरेटिनॉल भी मददगार हैसनस्क्रीन एप्लिकेशन के पर ध्यान देंस्किन स्पेशलिस्ट की सलाह लेंक्या सख्त त्वचा ठीक होती हैहां, सख्त स्किन ठीक हो सकती है। लेकिन इसके लिए आपको वह सब कुछ बंद करना होगा जिसकी वजह से स्किन सख्त हो रही है। जब आप ऐसा करेंगे तो स्किन अपने आप सॉफ्ट हो जाएगी।कितने दिन में सॉफ्ट होगी स्किनये कहना मुश्किल है कि सख्त स्किन कितने दिन में ठीक होगी। लेकिन एक बार जब आप अपनी त्वचा की ठीक से देखभाल करना शुरू कर देते हैं, तो एक या दो हफ्ते के अंदर ड्राई स्किन और खुजली में सुधार होता है। कई मामलों में, एक अच्छा मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को मिनटों में मुलायम बनाना शुरू कर देगा।

लंच में बनाएं कच्चे आम की कढ़ी, समर स्पेशल है ये टेस्टी

कच्चे आम की कढ़ी बनाने के लिए जरूरी चीजें-

- -4 छिलके उतारे हुए कटे कच्चे आम
- -2 बड़े चम्मच तेल
- -1 बड़ा चम्मच राई
- -20-30 कढ़ीपत्ता
- -2-3 साबुत लाल मिर्च
- -8-10 साबुत काली मिर्च
- -1 कप कद्दूकस किया हुआ प्याज
- - 3/4 टी स्पून गरम मसाला
- -स्वादानुसार नमक
- -स्वादानुसार चीनी
- -1 कप नारियल का दूध
- गार्निश करने के लिए अदरक
- -गार्निश करने के लिए हरा धनिया

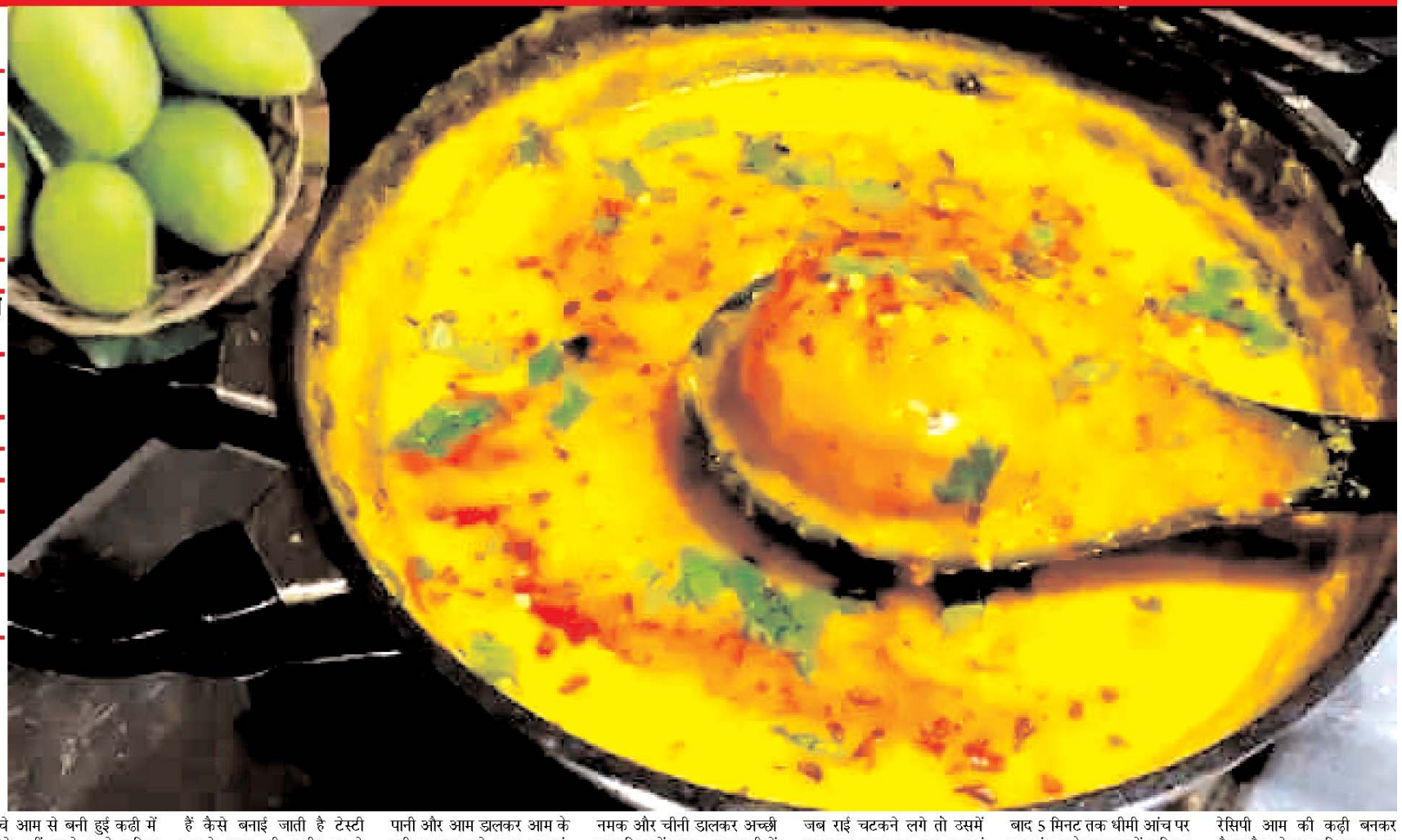

आपने आज तक कढ़ी का स्वाद अलग-अलग तरह से बनाकर लिया होगा। लेकिन आज जो कढ़ी की रेसिपी आपके साथ शेयर करने जा रहे हैं वो न सिर्फ बाकी कढ़ी रेसिपी से बिल्कुल अलग है बल्कि इसका स्वाद भी दूसरी बनने वाली बेसन और दही वाली कढ़ी से अलग होता है। गर्मियों में कढ़ी की ये रेसिपी लोगों को काफी पसंद आती है। जी हां, इस समर स्पेशल कढ़ी का नाम है कच्चे आम की कढ़ी। कच्चे आम से बनी हुई कढ़ी में पकौड़े नहीं डाले जाते बल्कि इसमें पकौड़ों की जगह छोटे छोटे टुकड़ों में कटी अमियां होती हैं। तो आइए बिना देर किए जान लेते हैं कैसे बनाई जाती है टेस्टी कच्चे आम की कढ़ी। कच्चे आम की कढ़ी बनाने का तरीका-कच्चे आम की कढ़ी बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में पानी और आम डालकर आम के पूरी तरह पकने तक पकाएं। इसके बाद आम को तरल बनाने के लिए उसमें 4 कप पानी डालने के बाद धनिया, गरम मसाला, नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिला दें। अब एक कढ़ाही में तेल गर्म करके उसमें कढ़ीपत्ता, साबुत लाल मिर्च और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह भूनें। जब राई चटकने लगे तो उसमें प्याज डालकर तब तक चलाएं जब तक तेल न छोड़ने लगें। इसके बाद कढ़ाही में आम का मिश्रण डालकर उबाल आने के बाद 5 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। इसके बाद इसमें नारियल का दूध डालकर धीमी आंच पर 2 मिनट तक और पकाएं। आपकी टेस्टी समर स्पेशल रेसिपी आम की कढ़ी बनकर तैयार है। इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करके गर्मा-गर्म रोटी या चावल के साथ सर्व करें।

शिवपुरी चिकित्सा महाविद्यालय में चिकित्सा को छोड़ डॉक्टर ही परोश रहे व्हाट्सअप ग्रुप में अशलीलता

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - खबर जिला मुख्यालय के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से है जहां आए दिन मरीजों को सही उपचार न मिलने और अनियमितताओं को देखा जाता है ,लेकिन सनसनी तो तब फेल गई जब महाविद्यालय के फैकल्टी ग्रुप में एक वरिष्ठ डॉक्टर मनबहादुर राजपूत जो की ख्ख्र प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत है।उनके द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप में एक महिला डॉक्टर से बदतमीजी की गई और सात ही धमकी भरे मैसेजों को भेजा गया बताया जा रहा है कि महिला डॉक्टर काफी घबराई हुई है । बही महिला द्वारा डॉक्टर मन बहादुर द्वारा के खिलाफ कई बार शिकायत भी की है शिकायत के पश्चात कमेटी का भी गठन हुआ है किंतु कमेटी के द्वारा अभी तक कोई ऐसा फैसला नहीं आया है जो की महिला के पक्ष में हो आखिर इस प्रकार से कब तक चलेगी एम टी ए प्रेसिडेंट डॉ मानबहादुर राजपूत की मनमानी,गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एम.टी.ए प्रेसिडेंट डॉ मानबहादुर राजपूत हर किसी के संग करता है अभद्र व्यवहार, सहायक अस्पताल प्रबंधक के साथ व्हाट्सअप ग्रुप मैं अभद्र भाषा का उपयोग करता है, डॉ मानबहादुर राजपूत हर समय अभद्र का उपयोग करता है इसके आस पास महिला कर्मचारी अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है.. और डॉ मानबहादुर राजपूत ऑफिसियल व्हाट्सअप ग्रुप मैं करता है बदतमीजी और आये दिन धमकी भरे मेसेज करता है,अब सवाल ये है कि सब चुप क्यों है इस पर कार्यवाही क्यों नही होती है इस तरह से एम टी ए प्रेसिडेंट की मनमानी कब तक चलेगी क्या चिकित्सा शिक्षक को गलत भाषा का प्रयोग शोभा देता हैड़ड़ महिला कर्मचारी कई बार शिकायत कर चुकी है लेकिन कमेटी ने आज तक ऐसा कोई भी निर्णय नही लिया और न ही कोई फैसला सुनाया जो महिला कर्मचारी के हित मैं हो।

विस्तार पूर्वक सूर्यवंश की कथा सौ वर्ष में भी पूरी नहीं हो सकती

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

विस्तार पूर्वक सूर्यवंश की कथा सौ वर्ष में भी पूरी नहीं हो सकती पुरूषोत्तम पारीक। चाचौड़ा महेशपुरा में श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस में सूर्यवंशी राजाओं का वर्णन करते हुए पारीक ने कहां नवम स्कंद में सूर्यवंश की कथा है ।परीक्षित को पहले सूर्यवंश की बाद में चंद्रवंश की कथा सुनाई ।सूर्य बुद्धि के देवता है चंद्रमा मन के देवता है। जब तक मन और बुद्धि पवित्र ना हो जीव का उद्धार नहीं हो सकता। शुकदेवजी ने सोचा आगे महारास की कथा आएगी ऐसे में अगर परीक्षित के मन में कहीं वासना रह गई तो राजा नर्क गामी हो जाएगा ।अतः वासना विनाश हेतु मन और बुद्धि पवित्र हों । यही सूर्यवंश चंद्रवंश की कथा कहने का उपदेश है। सत्यवादी हरिश्चंद्र का करुणा में प्रसंग सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। आगे चंद्र वंशिका अद्भुत वर्णन किया । भगवान श्री कृष्ण का जन्म धूमधाम से मनाया गया।

कार्य के प्रति लापरवाही पर पटवारी, शिक्षकों, सचिव, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को जारी किये गये नोटिस

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

चांचौड़ा के उमरथाना कलस्टर के ग्राम पंचायतों में किया गया ''जनसंवाद कार्यक्रम'' का आयोजन

जनसंवाद के दौरान आयी समस्याओं और मांगों के निराकरण के सम्बन्ध में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देशगुना कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस का नवाचार जारी है। इसी क्रम में आज जनपद पंचायत चांचौड़ा, कलस्टर उमरथाना की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ''जनसंवाद कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया ।इस दौरान नियुक्त जिला स्तर के नोडल अधिकारियों द्वारा जनपद पंचायत चांचौड़ा के ग्राम पंचायत उमरथाना, आमासेर, मुहांसाकला, पीपल्यामोती, झूकरा, कुसुमपुरा, जलालपुरा, कुडाल्या, मेरियाखेड़ी एवं कालापीपल में प्रात- 9 बजे उपस्थित होकर दोपहर 1 बजे तक ग्राम का भ्रमण किया गया और गांव में बिजली, पानी, साफ-सफाई, स्कूल, आंगनवाी केंद्रों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण और चौपाल का आयोजन किया गया।इस दौरान संबंधित ग्राम पंचायत स्तर का ग्रामीण अमला पटवारी, रोजगार सहायक, सचिव, आंगनबाडी़ कार्यकर्ता आदि मौके पर उपस्थित रहे। तत्पश्चात दोपहर 2 बजे कलस्टर मुख्यालय की पंचायत उमरथाना में ''जनसंवाद कार्यक्रम'' का आयोजन कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रथम कौशिक की उपस्थिति में किया गया।जनसंवाद के दौरान आयी समस्याओं और मांगों के निराकरण के सम्बन्ध में उपस्थित विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देशजनसंवाद कार्यक्रम के लिए राजस्व अधिकारियों को भी ग्राम पंचायतें आवंटित की गयी, जिनके द्वारा राजस्व कार्यो का निरीक्षण किया गया।जनसंवाद के दौरान नोडल अधिकारियों द्वारा दिए प्रतिवेदन अनुसार सुनवाई की गयी और गांव की समस्यायों और मांगों के निराकरण के सम्बन्ध में उपस्थित विभागीय अधिकारियों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। कार्य के प्रति लापरवाही पर पटवारी, शिक्षकों, सचिव, आंगनवाी कार्यकर्ताओं को जारी किये गये नोटिसजनसंवाद के दौरान कलेक्टर द्वारा एकीकृत शाला, कालापीपल में भ्रमण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर अच्छा नहीं पाए जाने पर विद्यालय के हेडमास्टर सहित 03 शिक्षकों को वेतन रोकने के आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। पीपल्यामोती की आंगनबाी कार्यकर्ता और शिक्षकों को बच्चों के वजन अभियान लेने की जानकारी नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई। वजन अभियान में शिक्षक के उपस्थित नहीं रहने की शिकायत मिली। महिला बाल विकास की सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। कालापीपल में गप्पी बाई भील एवं कुसुमपुरा आंगनबाी कार्यकर्ता का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पटवारी ग्राम पंचायत झूकरा श्री हरी नारायण को फौती नामांतरण नही किये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आमासेर, कालापीपल के विद्यालयों का शिक्षा का स्तर राब पाया गया, जिस पर शिक्षा का स्तर ठीक न होने तक सभी शिक्षकों की सैलरी जारी न करने के निर्देश दिए। एकीकृत शाला डोरियापूरा के हेडमास्टर अजय सिंह यादव को नियम विरुद्ध अतिथि शिक्षक रखने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। मुहासाकलां के सचिव इन्दर सिंह लोधी को कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चांचौड़ा विकास कुमार आनंद, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत चांचौड़ा गगन वाजपेयी, तहसीलदार चांचौा धीरेन्द्र गुप्ता, नायब तहसीलदार सत्येन्द्र गुर्जर, जिले के नोडल अधिकारी, विभागीय अधिकारी/कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिवपुरी चिकित्सा महाविद्यालय में चिकित्सा को छोड़ डॉक्टर ही परोश रहे व्हाट्सअप ग्रुप में अशलीलता

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - खबर जिला मुख्यालय के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से है जहां आए दिन मरीजों को सही उपचार न मिलने और अनियमितताओं को देखा जाता है ,लेकिन सनसनी तो तब फेल गई जब महाविद्यालय के फैकल्टी ग्रुप में एक वरिष्ठ डॉक्टर मनबहादुर राजपूत जो की ख्ख्र प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत है।उनके द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप में एक महिला डॉक्टर से बदतमीजी की गई और सात ही धमकी भरे मैसेजों को भेजा गया बताया जा रहा है कि महिला डॉक्टर काफी घबराई हुई है । बही महिला द्वारा डॉक्टर मन बहादुर द्वारा के खिलाफ कई बार शिकायत भी की है शिकायत के पश्चात कमेटी का भी गठन हुआ है किंतु कमेटी के द्वारा अभी तक कोई ऐसा फैसला नहीं आया है जो की महिला के पक्ष में हो आखिर इस प्रकार से कब तक चलेगी एम टी ए प्रेसिडेंट डॉ मानबहादुर राजपूत की मनमानी,गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज एम.टी.ए प्रेसिडेंट डॉ मानबहादुर राजपूत हर किसी के संग करता है अभद्र व्यवहार, सहायक अस्पताल प्रबंधक के साथ व्हाट्सअप ग्रुप मैं अभद्र भाषा का उपयोग करता है, डॉ मानबहादुर राजपूत हर समय अभद्र का उपयोग करता है इसके आस पास महिला कर्मचारी अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है.. और डॉ मानबहादुर राजपूत ऑफिसियल व्हाट्सअप ग्रुप मैं करता है बदतमीजी और आये दिन धमकी भरे मेसेज करता है,अब सवाल ये है कि सब चुप क्यों है इस पर कार्यवाही क्यों नही होती है इस तरह से एम टी ए प्रेसिडेंट की मनमानी कब तक चलेगी क्या चिकित्सा शिक्षक को गलत भाषा का प्रयोग शोभा देता है महिला कर्मचारी कई बार शिकायत कर चुकी है लेकिन कमेटी ने आज तक ऐसा कोई भी निर्णय नही लिया और न ही कोई फैसला सुनाया जो महिला कर्मचारी के हित मैं हो।

अपराध मे शिवपुरी पुलिस की तुरंत कार्यवाही, पुलिस थाना अमोला के फरियादिया व उसके पति के मुह पर मल लगाने बाले मामले मे पुलिस द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपराधों मे तुरंत कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है । पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने पर आने बाले फरियादियों की रिपोर्ट सुनकर आरोपियों के खिलाफ तुरंत कार्यवाही करने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है । जिसके पालन मे पुलिस थाना अमोला द्वारा अपराध मे तुरंत कार्यवाही करते हुये आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है ।

आज दिनांक को फरियादिया द्वारा थाना अमोला आकर रिपोर्ट किया की ग्राम सिलानगर के देवका कुशवाह, रामकुमारी कुशवाह, ऊषा कुशवाह, प्रेम कुशवाह, खरे कुशवाह, सर्रा कुशवाह, पप्पू कुशवाह के द्वारा दिनांक 15.02.24 को सुबह 08 बसे से 10 बजे के बीच कपड़ों को लेकर झगड़ा किया और मारपीट कर गंदी गंदी गालियां दी एवं आरोपियों द्वारा फरियादिया व उसके पति के मुंह मे भिस्टा लगा दिया था । उक्त रिपोर्ट पर से थाना अमोला पर अपराध क्रमांक 23/24 धारा 294, 323, 328, 270, 506, 34 भादवि का कामय कर विवेचना मे लिया गया । फरियादिया दिनांक 15.02.24 को थाने पर रिपोर्ट करने गयी थी जिसपर से आरोपीगणों द्वारा फरियादिया को जान से मारने की धमकी दी गयी थी अगर तूने थाने पर भिस्टा लगाने बाली बात बोली तो तुझे जान से खत्म कर देंगे, जिस डर से फरियादिया ने थाने पर कोई भिस्टा लगाने बाली बात नहीं बतायी और झगड़ा होने की रिपोर्ट लिखाकर दोनों पक्षों को आपस मे राजीनामा करके चले गये थे । फरियादिया द्वारा दिनांक 16.02.24 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाकर पुलिस अधीक्षक महोदय को लिखित आवेदन दिया । जिस पर से पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा घटना की गम्भीरता को देखते हुऐ एस.डी.ओ.पी. करैरा व थाना प्रभारी अमोला को बारीकी से जांच करने हेतु निर्देशित किया गया । थाना प्रभारी अमोला द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर फरियादिया के कथन लिये गये जिसमे उसने बताया कि चड्डी (कपडे) उठाने को लेकर मेरा व मेरे पति का साथ उक्त आरोपीगणो के साथ झगड़ा हुआ था एवं आरोपियों द्वारा हमारे साथ मारपीट कर मेरे व मेरे पति के मुह मे भिस्टा लगा दिया था । थाना प्रभारी अमोला द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन मे उक्त आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही कर उन्हें गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया, माननीय न्यायालय द्वारा जेल वारंट बनाने पर उक्त आरोपियों को जेल भेजा गया ।

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले के विरुद्ध प्रशासन सख्त, लगातार कार्रवाई जारी

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खाद्य पदार्थों में मिलावट ना हो, अभियान चलाकर खाद्य सुरक्षा विभाग और राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही की जा रही है। शनिवार को भी टीम ने कई जगह जांच की और खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। शिवपुरी एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि तारकेश्वरी कॉलोनी गुरूद्वारा रोड़ स्थित पिकनिक बेकरी गोडाउन का निरीक्षण किया। जिसमे खाद्य पदार्थों की जांच की और सैंपल लिए। अमानक खाद्य पदार्थ मिलने पर पिकनिक बेकरी गोदाम सील किया। इसके तीन आउटलेट चेक किए और सैंपल लिए। पी.एस. होटल एण्ड रेस्टोरेण्ट, ग्वालियर बाईपास और ब्रेड एण्ड चीज बेकरी आर्यसमाज रोड़ शिवपुरी पर भी टीम ने निरीक्षण किया और खाद्य पदार्थ की सैम्पलिंग की कार्यवाही की गई।

सतनवाड़ा शिक्षा का मंदिर बना अय्याशी का गढ़ कॉलेज में मिली दारू की बोतल और कंडोम के पैकेट कॉलेज प्रबंधन पर उठे सवाल

पुष्पांजलि टुडे से सतीश पत्रकार

शिवपुरी । बड़ी खबर शिवपुरी जिले के सतनवाड़ा स्थित कॉलेज अय्याशी का गढ़ बन गया है। कॉलेज माता-पिता अपने बच्चों को बड़ी उम्मीद के साथ रखते हैं और उनका सपना होता है कि उनका बच्चा पढ़ लिख कर अपने भविष्य को उज्जवल करेगा लेकिन कॉलेज ही जब अय्याशी का गढ़ बन जाए तो हम क्या उम्मीदें रख सकते हैं। कोलेज प्रबंधक पर उठ रहे सवालः दरअसल मामले का खुलासा तब हुआ, जब पत्रकार कवरेज करने कॉलेज पहुंचे उस दौरान उन्होंने कॉलेज के पिछले हिस्से में शराब की बोतलें पड़ी देखी. इसके बाद कोलेज में शराब की बोतल मिलने की खबर विश्वविद्यालय में आग की तरह फैल गई. कॉलेज परिसर से दर्जनों शराब की बोतल निकलने से कोलेज प्रबंधक समेत कोलेज से जुड़े दूसरे कर्मचारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं? शराब की खाली बोतलें मिलना कॉलेज प्रबंधक की विफलता को दर्शाता है.बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे सतनबाडा में दर्जनों शराब की बोतलें, कंडोम का पैकेट और कई अपत्तिजनक समान कुंडे दान में मिला है. आखिर कौन अधिकारी या कर्मचारी है, जो इस तरह का काम कर रहे हैं. जे लोग भी ऐसा कर रहे हैं वो खुले आम मजाक बना रहे हैं. इसकी पूरी तरह से जांच होनी चाहिए%% बही कॉलेज प्रबंधक ने अपनी सफाई देते हुए बताया कि अगर इस तरह की हरकत हमारे कॉलेज केंपस में हुई है तो बहुत ही शर्म की बात है पर मुझे इस चीज की जानकारी नहीं थी हम टीम घटित करके इसकी जांच कराएंगे भारत सरकार के नव रतन एनटीपीसी द्वारा स्थापित वित्तीय सहायता से स्थापित कॉलेज के आज छात्र कॉलेज प्रबंधक की लापरवाही से इस दिशा में पहुंच गए हैं कि कॉलेज के अंदर जहां कॉलेज प्रबंधक बैठे हुए हैं वहीं पर शराब की बोतल मिल रही है इस दिशा में कॉलेज के छात्रों का भविष्य क्या होगा प्रबंधक द्वारा कितनी बड़ी लापरवाही की जा रही है आप अनुमान लगा सकते हैं मध्य प्रदेश शासन और प्रशासन का इस और कोई ध्यान नहीं है

कलेक्टर महोदय रविंद्र कुमार चौधरी के आदेश के पालन में कोलारस तहसील अंतर्गत खाद्य पदार्थों की जाँच की गई। सैंपल निकले फेल

पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार पत्रकार
9399215234

जाँच में सैंपल वीहिकल भी साथ रहा जिसमे खाद्य पदार्थों के सैंपल की मौके पर प्राथमिक जाँच की गई।

1बजरंग ट्रेडर्स , किराना व्यवसाई वीरेंद्र गर्ग कोलारस,

बजरंग किराना से जप्त खाद्य पदार्थ आइटम जिसमें मिल्क पाउडर , घी, तेल चाय पत्ती , आदि।
2दूध डेयरी संचालक
दुग्ध सहकारी संघ मानीपूरा कोलारस
राजकुमार जैन

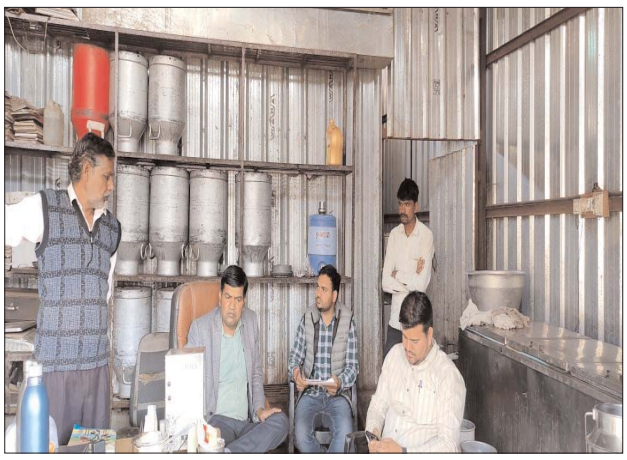

व मिठाई की दुकान शिव भोजनालय कोलारस
के प्रतिष्ठान में रखे खाद्य पदार्थों की जाँच की गई
किराना व्यवसाई वीरेंद्र गर्ग के प्रतिष्ठान से। एक्सपायर डेट की पैक्ड खाद्य सामग्री बेची जा रही थी जिसे मौके से जप्त किया गया,मिठाई दुकान के संचालक मुकेश शर्मा द्वारा विक्रय की जा रही मिठाई का सैंपल फेल निकला जिसे मौके से जप्त कर सैंपल कलेक्ट किया गया
दूध डेयरी संचालक राजकुमार जैन की दुकान से दूध का सैंपल फेल निकला। कोलारस में की गई इस कार्यवाही में एसडीएम मोतीलाल अहिरवार, नायब तहसीलदार सचिन भार्गव, फूड सेफ्टी ऑफिसर आशुतोष मिश्रा के साथ पटवारी व लिपिक उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की अनदेखी और संरक्षण से शराब माफिया कर रहे है मनमानी

बिना रेट लिस्ट शराब माफिया बेच रहे है खुलेआम शराब दुकानों से शराब।

शिवपुरी जिले के करेरा में शासकीय शराब दुकानों से दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे खुलेआम बेची जा रही है शराब।

गाँव गाँव मे शराब ठेकेदार की खुली कमीशन की अबैध कलारिया आबकारी उप निरीक्षक का शराब ठेकेदार को खुला संरक्षण

जितेंद्र परिहार पत्रकार नरवर जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश??

00 शिवपुरी जिले में करेरा शराब दुकानों से खुलेआम अधिक कीमत मे शराब बेची जा रही है आखिर क्या बजह है की आबकारी बिभाग शराब माफियाओ की मनमानी पर नहीं लगा पा रहे है लगाम ऐसा आज नही बल्कि पूर्व के कई बर्षो से ऐसा होता चला आ रहा है इस संबंध मे कई बार शिकायते भी होती रही है लेकिन आबकारी उप नीरीक्षक की हटधर्मिता के चलते ऐसी प्रथा पर रोक नही लग पाई है और शराब ठेकेदार खुलेआम बिकबा रहा हे ध?ल्ले से अबैध शराब पुलिस फिक्स बिभाग सेट ठेकेदार फुल मस्त बेखौफ अब कौन रोकेगा क्युकी कमीशन के आगे सबका खुला संरक्षण क्या युही चलता रहेगा खुद बिभागीय अधिकारी ही बिभाग को खुलेआम लुटबा इहे हे शराब ठेकेदारो से गजब का सुशासन???????।

00 शिवपुरी जिले करेरा में अंग्रेजी शराब दुकान पर बिक रही है अधिक कीमत मे खुलेआम शराब

अगर बात करे शासकीय अंग्रेजी शराब दुकान की तो यहाँ खुलेआम शराब की बोतलो पर दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे शराब की बिक्री की जा रही है जब इसका बिरोध ग्राहकों के द्वारा किया जाता है तो उसे बिना माल दिये भगा दिया जाता है।

00 शिवपुरी मे शराब दुकानों और बार बार कहने के बाद भी नही लगाई शराब ठेकेदार द्वारा रेट लिस्ट?? आबकारी उप निरीक्षक नही समझते कारवाही करना आबश्यक

अगर शिवपुरी जिले स्थित शासकीय शराब दुकानो की बात करे तो यहाँ गांव शहर शहर जहाँ शराब ठेकेदार द्वारा कमीशन पर अबैध रूप से शराब दुकाने संचालित कराई जा रही है लेकिन सबसे चिंतनीय और चौकाने वाली बात यह है की शिवपुरी मे शासन द्वारा रजिस्टर्ड दुकानों पर बिना रेट लिस्ट के शराब की बिक्री शराब ठेकेदार द्वारा की जा रही है और जब इसका रेट लिस्ट के बारे मे किसी ग्राहक द्वारा शराब दुकान वालो से पूछा जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है की हम आबकारी बिभाग से बिना रेट लिस्ट शराब बिक्री की परमिशन लेकर काम कर रहे है अब बिना रेट लिस्ट शराब बिक्री की परमिशन आबकारी उप नीरीक्षक ने शराब ठेकेदार को कैसे दी ये चिंतनीय बिंदु है।

00 आबकारी उप निरीक्षक लोकल शिवपुरी से होने के चलते शराब ठेकेदारो को दे रहे है खुला संरक्षण इसीलिए नही करते कभी भी शराब ठेकेदारो पर कार्रवाही

अगर बात करे शिवपुरी आबकारी बिभाग मे पदस्थ आबकारी की तो यह करेरा लोकल के रहने वाले है और कई बर्षो से शिवपुरी आबकारी बिभाग मे सेबाए दे रहे है इनकी पदस्थी के दौरान शराब दुकानों पर जितना नियम बिरुद्ध कार्य हो रहा है वह पूर्व मे कभी नहीं हुआ शराब ठेकेदार की मनमानी और अंधेरगर्दी सर च?कर बोल रही है खुलेआम शाशकीय शराब दुकानों से बिना बिल और बिना रेट लिस्ट के दर्ज कीमत से अधिक कीमत मे शराब की बिक्री की जा रही है लेकिन आज तक शराब ठेकेदार पर आबकारी उप निरीक्षक द्वारा कोई भी कार्रवाही नहीं की गयी।

00 शराब ठेकेदार ने खुलबा रखी हे गाँव गाँव मे कमीशन पर अबैध शराब दुकान

अगर पिछोर छेत्र अंतर्गत अबैध शराब बिक्री की बात करे तो ऐसा कोई गाँव नहीं है जहाँ शराब ठेकेदार ने अपनी कमीशन की अबैध दुकान संचालित कराकर न रखी हो पिछोर लोकल मे ही कई स्थानो पर कमीशन पर दारु रखबाकर शराब ठेकेदार खुलेआम बिकबा रहे है अबैध रूप से शराब लेकिन आबकारी बिभाग पिछोर शराब ठेकेदार पर कार्रवाही की नहीं उठा पाता हिम्मत।

00 पुलिस पक? रही है शराब आबकारी बिभाग शिवपुरी जिले मे बिकबा रहा है खुलेआम शराब ?

शिवपुरी जिले के छेत्रांतर्गत अबैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की पहल के लिए पुलिश् तो जरूर सक्रिय दिखाई देती है कभी कभी अबैध शराब बिक्री के केश भी बनाती रहती है लेकिन आबकारी पिछोर खुलेआम शराब की बिक्री करा रहा है जबकि यह जिम्मेदारी आबकारी बिभाग की है अगर आबकारी बिभाग समय समय पर नियमानुसार शराब दुकानों से शराब की बिक्री कराये और गाँव गाँव मे शराब ठेकेदार की बिक रहे अबैध शराब बंद कराये तो शासन के नियमानुसार शराब दुकानों से होने लगेगी शराब की बिक्री।

?? जिला आबकारी अधिकारी द्वारा शिवपुरी जिले मे हो रही शराब ठेकेदार की मनमानी पर पूर्व मे कई बार की गयी कार्रवाही लेकिन फिर भी आबकारी उप निरीक्षक नही देते ध्यान

अगर शिवपुरी जिले मे शराब ठेकेदार की मनमानी पर कार्रवाही की बात करे तो जिला आबकारी अधिकारी द्वारा आमजन की शिकायतों पर हमेशा कार्रवाही की गयी लेकिन करैरा आबकारी उप नीरीक्षक द्वारा शराब ठेकेदार पर कार्रवाही नही की जाती और और तो और शराब ठेकेदार द्वारा की जा रही नियम बिरुद्ध शराब बिक्री पर लगातार हो रही हे बिभाग की छबी धूमिल जिला प्रशासन को चाहिए की औचक नीरीक्षण कर शराब दुकानों पर उचित कार्रवाही करे और करेरा छेत्र मे गाँव गाँव मे बिक रही शराब ठेकेदार की कमीशन की अबैध कलारियों को बंद कराकर नियमानुसार शराब की बिक्री कराई जाए।

(जितेंद्र परिहार पत्रकार नरवर जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश मो,8007910624/

रामलला की झलक पाने 272 श्रद्धालुओं ने किया अयोध्या प्रस्थान,भाजपा जिला खरगोन के पहले जत्थे ने आस्था स्पेशल ट्रेन से ली रवानगी

खरगोन जिले से मुन्ना खान
पुष्पांजली टुडे

खरगोन। रामलला की एक झलक पाने के लिए खरगोन जिले के 272 श्रद्धालुओं ने अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान किया। शनिवार दोपहर जैसे ही आस्था स्पेशल ट्रेन ने गंतव्य की ओर कदम बड़ाए जय-जय सियाराम के जयकारों से इंदौर रेलवे स्टेशन का आकाश गुंजायमान हो उठा।भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर के नेतृत्व में श्रीराम मंदिर दर्शन अभियान अंतर्गत रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या निकले पहले जत्थे में खरगोन नगर, खरगोन ग्रामीण, भगवानपुरा, झिरन्या, भीकनगांव, कसरावद पूर्व, मंडलेश्वर व करही मंडल के 272 श्रद्धालु शामिल हुए। इनमें

प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह डंडीर, प्रदेश कार्य समिति सदस्य परसराम चौहान, जिला उपाध्यक्ष बद्रीप्रसाद पाटीदार, जिला मंत्री चंदरसिंह वास्कले, जिला कार्यालय मंत्री मोहन राठौड़, जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार, कोच प्रमुख दिलीप पटेल, रणजीतसिंह रघुवंशी, जयनारायण गुप्ता, लक्ष्मण पंडित, विजय कौशल, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र पाटीदार, कृष्णपालसिंह राठौर, रितेश पटवा, विश्वास ताम्रकर, भगवान सोलंकी, राघवेंद्रसिंह डंडीर, पार्षद धीरेन्द्रसिंह चौहान, डॉ. अरविंद पाटीदार आदि शामिल हैं। यात्रा में खरगोन मंडल के 33 श्रद्धालुओं ने प्रस्थान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष व श्रीराम मंदिर दर्शन अभियान के जिला सह संयोजक लक्ष्मण इंगले ने इंदौर रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों को विदाई दी। जिला मीडिया प्रभारी श्री भावसार ने बताया श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या में आवास व भोजन आदि व्यवस्थाएं की गई हैं। आने वाले दिनों में आस्था स्पेशल ट्रेन के माध्यम से श्रद्धालुओं के कई जत्थे अयोध्या प्रस्थान करेंगे।

कलेक्टर द्वारा खाद्य सामग्री में मिलावटखोरों पर सख्ती से खाद्य पदार्थ कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति

16 फरवरी को 10 प्रतिष्ठानों एवं 17 फरवरी को 09 प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्रवाई कर नमूने लिए

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश सरकार की मंशा है कि प्रदेश की जनता को शुद्ध सामग्री उपलब्ध हो। इसी के तहत आज शाम कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने खाद्य विभाग दल के सदस्यों के साथ दो डेयरी पर छापा मार कार्रवाई की। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने मिलावटी नकली दूध व नकली दूध से बने खाद्य पदार्थों के निर्माताओं एवं मिलावटखोरी में लिप्त खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष सघन अभियान के तहत् विरधनपुरा चौराहा भिण्ड स्थित राजपूत डेयरी, प्रो. लाखन सिंह नरवरिया पर छापा मार कार्रवाई कर 150 किलो मावा, 03 टीन पैक (45 किलो) रिफाइंड पोल्मोलिन ऑयल, 10 किलो रिफाइंड एक बाल्टी, दो टब में, 30 किलो घी जप्त किया। जप्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रूपये है। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने मौके पर राजपूत डेयरी का लाईसेंस निरस्त कर डेयरी को सील् करने निर्देश दिए। इसी प्रकार रजपुरा भिण्ड स्थित फूल सिंह दूध डेयरी, प्रो. फूल सिंह नरवरिया पर छापा मार कार्रवाई कर 200 किलो मावा, 300 लीटर दूध को जप्त कर कार्रवाई की। जप्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रूपये है।आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और मिलावटखोरों एवं नकली खाद्य सामग्री निर्माण व विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिए जिला के खाद्य सुरक्षा दल द्वारा मिलावट से मुक्ति अभियान चलाकर दूध, घी, मिठाईयों एवं विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री

की लगातार संघन जांच की जा रही है। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने जिले के समस्त आमजन/ नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई खाद्य कारोबारकर्ता/ प्रतिष्ठान यदि खाद्य पदार्थों के निर्माण में किसी प्रकार की मिलावट करता है अथवा गंदगी युक्त परिसर में खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय करते पाया जाता है अथवा ऐसी कोई खाद्य सामग्री जिस पर पैकिंग डेट अथवा एक्सपायरी डेट बेस्ट एक्सपायरी डेट/ बेस्ट विफोर डेट पूर्ण हो जाने के पश्चात भी खाद्य सामग्री का विक्रय करते पाया जाता है, तो ऐसे खाद्य कारोबारकर्ता/प्रतिष्ठान के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से शिकायत अवश्य करें।कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर एवं अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन भिण्ड के निर्देशन में आयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन भोपाल द्वारा गठित उड़नदस्ता दल एवं स्थानीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा 16 फरवरी को जिला भिण्ड स्थित 10 प्रतिष्ठानों पर छापा मार कार्रवाई कर नमूने लिए गए।खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मिल्क चिलिंग सेंटर एवं दुग्ध डेयरियों पर कार्रवाई कर नमूने लिए गए। जिसमें शंकर कुल्फी मिल्क एण्ड फूड प्रोडक्ट्स इंडस्ट्रियल एरिया भिण्ड से पिस्ता कुल्फी एवं ड्राय फ्रूट्स मिल्क, अमन डेयरी कीरतपुरा (विरधनपुरा) रोड़ भिण्ड से मिश्रित दूध, मेवाराम राठौर विरधनपुरा रोड़ भिण्ड की बोलेरो पिकअप से सपरेटा दूध, संजू डेयरी आईटीआई भिण्ड से मिश्रित दूध के दो नमूने, जय मां कैलादेवी डेयरी भारौली रोड़ भिण्ड से मिश्रित दूध, सोनू नागर मिल्क चिलिंग सेंटर आईटीआई भिण्ड से मिश्रित दूध, मां कैलादेवी डेयरी आईटीआई रोड़ भिण्ड से मिश्रित दूध, सतेन्द्र सिंह आईटीआई रोड़ भिण्ड से मिश्रित दूध, वीआरएस चिलिंग सेंटर विरधनपुरा रोड़ भिण्ड से मिश्रित दूध, सरपंच डेयरी के लोडिंग वाहन से मिश्रित दूध का नमूना लेकर कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार 17 फरवरी 2024 को जिला भिण्ड स्थित 09 प्रतिष्ठानों पर छापा मार कार्रवाई कर नमूने लिए गए। जिसमें मुन्नेश छैना भण्डार स्वतंत्र नगर भिण्ड से पनीर, छैना रसगुल्ला, अरविन्द छैना भण्डार स्वतंत्र नगर भिण्ड से पनीर, छैना रसगुल्ला एवं मावा का नमूना लिया गया। उपरोक्त दोनों प्रतिष्ठानों पर उचित साफ-सफाई नहीं होने पर सुधार सूचना नोटिस दिया गया।खाद्य सुरक्षा विभाग दल द्वारा महेश डेयरी प्रतापपुरा गोरमी भिण्ड से दूध, मावा, राजवीर डेयरी अरेले का पुरा से मावा, भोगीराम दूध डेयरी अरेले का पुरा से दूध, मावा, गंगा सिंह डेयरी प्रतापपुरा से मावा, महेंद्र डेयरी प्रतापपुरा से दूध, मावा, करण सिंह डेयरी अरेले का पुरा से दूध, मावा, द्वारिकाधीश डेयरी से मावा और घी के नमूने लिए गए।

तिरूपुर में एक दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

तिरुपुर।तिरुपुर में एक दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर में स्वामी परमार्थ देवजी ने सिखाए योग कहा की योग से प्रभावित,लाभावित हो रहा हे पूरा विश्व तिरुपुर के कॉलेज रोड स्तिथ तिरुपुर सेवा समिति भवन में आज पतंजलि योग समिति कोयंबतूर ,तिरुपुर और तिरुपुर सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में भव्य योग शिविर का पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से पधारे मुख्य केंद्रीय प्रभारी और स्वामी रामदेवजी के सुशिष्य स्वामी परमार्थ देवजी, स्वामी रिथदेवजी के सानिध्य में आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुवात तिरुपुर सेवा समिति के अध्यक्ष शशि अग्रवाल, उपाध्यक्ष देवराज सिंग, सचिव अरुण खैतान और श्रीमति उषा अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके स्वामीजी ने ओम के उच्चारण और हवन के साथ किया गया। स्वामीजी परमार्थ देवजी ने कहा की तिरुपुर जो तमिल नाडु के कोंगू इलाके का मुख्य जिला है,तिरुपुर में वीर सेनानी और तिरंगा को बचाने के लिए अंग्रेजो के डंडे खाकर साहिद हुवे तिरुपुर कुमरन की भूमि है।तमिलनाडु का कोंगू इलाके में स्तिथ तिरुपुर बहुत से महा संतो ने अपने जीवन काल बिताए ,मुनि अगस्तियार पदनेएट

सिध्दार यानी 18 सिद्ध प्राप्त योगी भी कोंगू इलाके में योग सिखाया। सद्रागिरी पर्वत में साधना की और सबसे बड़े तमिल संत जो समनर थे और तिर्कुरल लिखी महा संत तिरुवल्लुवर भी सधारगिरी में साधना की है। स्वामीजी परमार्थ देवजी ने कहा की योग से प्रभावित होकर पूरा विश्व योगमय हो रहा हे और स्वास्थ्य लाभ भी लोगो को प्राप्त हो रहा है।योग के लिए कोई सीमा नही है ,योग सबका हे।उन्होंने विभिन्न आसन , प्राणायम सूर्य नमस्कार करवाया और योग के गुर बताए। इस कार्यक्रम में तिरुपुर के गंगा सींग, बागाराम, लक्ष्मण राम, हरीश, ओमप्रकाश, भवरलाल , बजरंग राजपुरोहित, दिलीप विश्नोई, ध्रुव कुमार, मुस्लिम समाज से योग टीचर जावेद, तामिल समाज के मदनगोपाल, अन्नबू थंबी,गणेश ह्यद्वह्ल रम्या और तिरुपुर के 36 कोम के सर्व समाज के लोग इस शिविर में उपस्थित थे। आज इस शिविर के सफल आयोजन में योगदान रहा प्रदेश पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी पारसमल सीरवी, तिरुपुर, पतंजलि योग समिति, तिरपूर सेवा समिति के सदस्य , तमिलनाडु के मीडिया इकाई के राज्य प्रभारी किशोर जैन ,भारत स्वाभिमान न्यास कोयंबतूर इकाई के अध्यक्ष शंकरलाल पटेल, और 36 कोम के सदस्य योग शिविर के पश्चात योगिक पोस्टिक अल्पाहार और मुंगका सूप का वितरण किया गया।

अंत में तिरुपुर के 50 से ज्यादा योग के स्पोर्ट्स में रुचि रखने बच्चो ने एडवांस योग का आयोजन करके सबको चौका दिया ,सब बच्चो को पतंजलि योग समिति द्वारा पार्टोसिपेशन सर्टिफिकेट देकर समनित किया गया। शनिवार को तिरुवलुर जिले में स्वामी परमार्थ देवजी और स्वामी रिथ देवजी योग शिविर लेंगे और 18 फरवरी को चेन्नई में योग शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी पतंजलि योग समिति के प्रदेश मीडिया इकाई अध्यक्ष किशोर कुमार जैन ने दी ।

सोहाबल जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी ने किया कई ग्राम पंचायत का निरीक्षण

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना सोहाबल जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी ने नयागांव नचनौरा में शासकीय माध्यमिक शाला नचनौरा शासकीय उचित मूल या की दुकान नचनौरा और नचनौरा में चल रहे नल जल योजना के पाइपलाइन एवं पंचायत भवन का किए निरीक्षण निरीक्षण के दौरान नचनौरा सरपंच योगेंद्र शुक्ला पीसीओ प्रवीण कुमार प्यासी रोजगार सहायक बृजेश वर्मा विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहे

शास उच्च माध्य शाला मुड़गेलमाल में बच्चो को दी गई विदाई

त्रिलोकी तिवारी जिला गरियाबंद
ब्योरो चीफ पुष्पांजलि

जिला गरियाबंद के शास. उच्च.माध्य.शाला मुड़गेलमाल में कक्षा 11वी के छात्र छात्रों एवम् पूरे शाला परिवार की ओर से 12वी के छात्र छात्राओं को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवम् विविध प्रकार के मंचीय खेल आयोजित कर शानदार विदाई दी गई। चूंकि छत्तीसगढ़ माध्य शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाएं 1मार्च से प्रारंभ हो रही है , बच्चे पूरी तरह बोर्ड परीक्षा की तयारी में लगे हुए है ऐसे में परीक्षा देने वाले बच्चो से परीक्षा का तनाव को कम करने हेतु पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी एक रिफ्रेसमेंट के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शाला के सभी छात्र छात्रों सहित सभी शिक्षक एवम् शिक्षिकाओं ने भी भरपूर आनंद लिए। इस कार्यक्रम में विविध प्रकार के विदाई कार्यक्रम से जुड़े हुए सम्मान स्वरूप पुरस्कार भी बच्चो को अपने जूनियर के द्वारा प्रदान किया गया मिस्टर फेयरवेलदौलत यादव,मिस यादव,मिसब्यूटीविनीता यादव,मिस्टर हैंडसम चेतन नागेश,बेस्ट सिंगर देविका यदु, मिस्टर टॉपरनेहाल यादव,मिस टॉपरङ्कयमुना ,मिस्टर ड्रामेबाज कौशल बीसी ,मिस ड्रामेबाज तनुजा ।। कार्यक्रम का मंचीय संचालन श्री विजय बेहरा के द्वारा किया गया जिससे पूरे कार्यक्रम आनंदित एवम् मनोरंजनीय रहा।।संस्था के प्राचार्य श्री संजय साहू ने विदाई कार्यक्रम में शामिल बच्चो को आने वाली बोर्ड की तयारी के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य शुभकामनाए प्रदान किए।इस कार्यक्रम में विद्यालयीन बच्चो के साथ साथ श्री संदीप पाण्डेय,श्रीमती किरण साहू,श्री हरिशचंद्र चक्रधारी ,श्री मति भारती गंजीर ,श्री सूर्यप्रकाश केसरवानी, श्रीमती ममता तिवारी,श्री डोमु राम यादव,श्री विजय बेहरा,श्री हेमराज सिन्हा,श्री योगवाज नागवंशी उपस्थित रहे।।।

विस्तार पूर्वक सूर्यवंश की कथा सौ वर्ष में भी पूरी नहीं हो सकती

पुरूषोत्तम पारीक
योगेश शर्मा राजोरिया

पुष्पांजलि टुडे

विस्तार पूर्वक सूर्यवंश की कथा सौ वर्ष में भी पूरी नहीं हो सकती पुरूषोत्तम पारीक।चाचौड़ा महेशपुरा में श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस में सूर्यवंशी राजाओं का वर्णन करते हुए पारीक ने कहां नवम स्कंद में सूर्यवंश की कथा है ।परीक्षित को पहले सूर्यवंश की बाद में चंद्रवंश की कथा सुनाई ।सूर्य बुद्धि के देवता है चंद्रमा मन के देवता है। जब तक मन और बुद्धि पवित्र

ना हो जीव का उद्धार नहीं हो सकता। शुकदेवजी ने सोचा आगे महारास की कथा आएगी ऐसे में अगर परीक्षित के मन में कहीं वासना रह गई तो राजा नर्क गामी हो जाएगा ।अतः वासना विनाश हेतु मन और बुद्धि पवित्र हों । यही सूर्यवंश चंद्रवंश की कथा कहने का उपदेश है। सत्यवादी हरिश्चंद्र का करुणा में प्रसंग सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। आगे चंद्र वंशिका अद्भुत वर्णन किया । भगवान श्री कृष्ण का जन्म धूमधाम से मनाया गया।

जिसकी चरण पादुका भगवान उठाते हों उसका भला कौन अहित कर सकता है-आचार्य संतोष

दैनिक पुष्पाजलि टुडे

गोहद -गोहद तहसील के वार्ड 16 बसारा गांव में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 16 फरवरी से किया जा रहा है। जहां कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित संतोष शास्त्री ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को जान से मारना ही हत्या नहीं है। इज्जत दार व्यक्ति की सार्वजनिक रूप से बेज्जती करना भी आज इज्जत दार की मौत के बराबर है पांडवो ने अश्वत्थामा के व्यवहार से व्यथित होने के बाद भी मारा नहीं अपितु सार्वजनिक रूप से आधे सिर एवं आधी मूंछों के बाल काट दिए। जिससे उसकी बेज्जती हुई।अपनी इस बेज्जती के कारण अश्वत्थामा ने प्रतिज्ञा ली कि पांडवों के कुल में कोई नहीं रहेगा।इसी के कारण अर्जुन की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे अभिमन्यु पर ब्रह्मास्त्र छोड़ा जिससे कान्हा ने रक्षा की।वहीं कथा के दौरान बताया कि शकुनि ने भीष्म पितामह से सेनापति का कार्य हटाकर कर्म को सेनापति बनाने का निर्णय लिया तब भीष्म ने प्रतिज्ञा ली कि कल के युद्ध में एक पांडव का वध किया जाएगा इससे व्यथित होकर श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि आपको चूड़ी पहनकर एवं मेहंदी लगाकर भीष्म पितामह के पास जाना होगा। और उनसे प्रणाम करके आशीर्वाद लेना होगा।क्योंकि उनकी प्रतिज्ञा दृढ़ है यह बात सुनकर द्रोपदी आशीर्वाद लेने के लिए चल दी तभी कृष्ण भी साथ में चल दिए और द्रोपदी की चप्पलों की आवाज हो रही थी जिन्हें उतरवा कर श्री कृष्णा ने अपने पीतांबर में बांधकर कांख में दबा लिया। द्रौपदी जब भीष्म पितामह के सामने पहुंची और प्रणाम किया तो उन्होंने दुर्योधन की पत्नी समझकर बिना देखे ही सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दिया इस पर द्रौपदी ने कहा हे पितामह कल आपने एक पांडव को करने का संकल्प लिया है वहीं आज मुझे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद दिया है यह दोनों कैसे संभव है यह सुन भीष्म पिता ने कहा कि तुम किसके साथ आई हो जब द्रौपदी ने पीछे मुड़कर देखा तो भीष्म पिता समझ गए और दरवाजे के बाहर जाकर देखा तो श्री कृष्ण अपने पीतांबर को ओड़े हुए खड़े थे।जैसे ही पीतांबर को कांख में दबे होने को खींचा तो द्रोपदी की चप्पल नीचे गिर गई ।तब भीष्म पिता ने कहा कि जिसकी चप्पलों को भगवान उठाते हो भला उसको कौन विधवा बन सकता है।और युद्ध में खुद ही बाणों की सैया पर सो गए। कथा का आयोजन राजा भैया गुर्जर द्वारा कराया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा प्रथम पाली

अंबेडकर नगर से ब्यूरो चीफ रामदयाल गौतम

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को कुशलता पूर्वक सफल बनाने के लिए अंबेडकर नगर मालीपुर थाना की पुलिस राम अवतार इंटर कॉलेज खजूरी करौंदी यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को कड़ी जांच के बाद अंदर प्रवेश दिया गया यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा प्रथम पाली कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ संपन्न कराई गई अंबेडकर नगर के मालीपुर थाना अंतर्गत राम अवतार इंटर कॉलेज खजूरी करौंदी शासन प्रशासन की निगरानी में मालीपुर थाना स्ढ्ढ. आशुतोष शर्मा, जी संजीव कुमार जी द्धद्गद्बस्र ष्भ्ठ्ठह्यह्लड्डद्बद्य हरिश्चंद्र, अमित मौर्य, प्रवीण ,अनुज कुमार ,लाल बहादुर ,ओम प्रकाश वर्मा अनुज सिंह आदि प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे

गिरगांव महादेव की कचहरी यहां मिलता है न्याय

ग्वालियर। महाशिवरात्रि के अब 21 दिन शेष रह गये हैं। नगर के प्रमुख शिवालयों में महाशिवरात्रि की तैयारियां शुरू हो गई हैं। जिले की चारों दिशाओं के साथ मध्य भी शिवालय है। इसलिए शहर को शिवनगरी भी कहा जाता है। शिवालय नगरवासियों की आस्था के केंद्र हैं। नगर के प्रमुख शिवालयों से कई किवदतियां जुड़ी हैं। धूरमेश्वर धाम के बाद आज हम चर्चा करेंगे गिरगांव महादेव की। जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर गुर्जर बाहुल्य गांव गिरगांव में प्राचीन शिवजी का मंदिर है। इस मंदिर की मान्यता है कि बड़े से बड़े विवाद गिरगांव महादेव की चौखट पर पहुंचते ही सुलझ जाते हैं। जमीन, आपसी लेन-देन यहां तक राजनीतिक विवाद भी यहां लोगों को सुलझाते देखा गया है। इसलिए इनकी पहचान मजिस्ट्रेट के रूप में हैं। इसी मंदिर पर पंचायत बैठकर सामाजिक विवादों का निपटारा होता है। इसे महादेव के कचहरी कहते हैं। कुल मिलाकर पूरा मामला आस्था और विश्वास से जुड़ा हुआ है। महाशिवरात्रि पर यहां मेला लगता है। अंचल के अलावा अन्य प्रांतों से शिवभक्त गिरगांव के महादेव पर आस्था और विश्वास के साथ दर्शनों के लिए आते हैं।

भिंड रोड पर गिरगांव महादेव- ग्वालियर-भिंड रोड पर स्थित गिरगांव के महादेव की ख्याति अंचल ही नहीं आसपास के राज्यों में मजिस्ट्रेट के रूप में है। महादेव के सामने खड़े होते ही बड़े से बड़े

से विवाद पल भर में सुलझ जाते हैं। अधिकांश मामले में संदेह से जुड़े होते हैं। मान्यता है कि सामने खड़े होकर कोई व्यक्ति झूठ बोलने का साहस नहीं कर पाता है। गिरगांव महादेव के सामने खड़े होकर झूठ बोलने पर सजा भी मिलती है। न्यायालयों की तरह फैसले के लिए वादी-प्रतिवादी को वर्षों इंतजार नहीं करना पड़ता है। महादेव तत्काल अपना फैसला सुनाते हैं। इसके कई उदाहरण है। मंदिर की ख्याति गिरगांव महादेव के रूप में हैं। स्थानीय गुर्जर समाज की गिरगांव महादेव से विशेष रूप से आस्थाएं जुड़ी होती हैं। वर्ष में दो से तीन श्रीमद्भागवत कथा महाशिवपुराण की कथा श्रद्धालु कराते हैं।गिरगांव के महादेव के सामने कोई झूठ बोलने का साहस नहीं करता है। लोगों का विश्वास है गिरगांव महादेव के सामने झूठ बोलने पर सजा अवश्य मिलती है। वर्षों से चले आ रहे विवाद भी यहां पल भर सुलझ जाते हैं। गिरगांव महादेव के सामने वर्षों पहले भैंस चोरी के मामले सबसे अधिक आते थे। क्योंकि अंचल में सबसे अधिक भैंस चोरी होती थी। धीरे-धीरे पैसों, जमीन- जायदाद से जुड़े मामले भी आने लगे। यहां कोई अर्जी व आवेदन नहीं देना पड़ता है और नहीं कोई चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। ऐसे होता फैसला- किसी मुद्दे पर विवाद की स्थिति में दोनों पक्ष गिरगांव महादेव के समक्ष खड़े हो जाते हैं। अपनी-अपनी बात रखने के बाद गिरगांव के महादेव की सुगंध उठाने के बाद दोनों पक्ष संतुष्ठ हो जाते हैं। दोनों पक्षों का विश्वास होता है कि जो भी गिरगांव महादेव के सामने खड़े होकर झूठ बोलेगा उसे सजा अवश्य मिलेगी। और फिर दोनों पक्ष गिरगांव महादेव के लिये फैसले का अधिक इंतजार नहीं करना पड़ता है। झूठ बोलने पर सजा अवश्य मिलती है। और दोनों पक्षों को इसका अहसास भी होता है। विशेष रूप से यहां गुर्जर समाज की मां शीतला की तरह गिरगांव के महादेव भी आस्था है। गुर्जर समाज के लोग यहां आपसी विवादों का निपटारा करने के लिए आते हैं। जमीन बंटवारे का मामला है, या फिर बगैर लिखा-पढ़ी के लेन-देन है। सब मामले महादेव की कचहरी सुलझ जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि महादेव की चौखट से दोनों पक्ष संतुष्ट होकर जाते हैं। क्योंकि दोनों पक्षों का विश्वास होता है कि महादेव की कचहरी में फैसला कभी गलत नहीं हो सकता है।

बिजली कटौती जारी, कंपनी ने सिर्फ समय बदला

ग्वालियर। संधारण कार्य के नाम पर पिछले तीन माह से लगातार जारी बिजली कटौती से बोर्ड परीक्षाओं के दौरान भी राहत नहीं मिल सकी है। विद्युत वितरण कंपनी ने परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं को दिक्कत न हो इसलिए कटौती का समय बदल दिया। कंपनी ने कटौती दोपहर 12 बजे से शुरू कर दी है। दोपहर बारह बजे से शाम चार बजे तक कटौती होने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, लेकिन इससे बिजली कंपनी के अधिकारियों को कोई लेना-देना नहीं है वह संधारण कार्य के नाम पर बिजली गुल करने पर आमादा हैं।शनिवार को तीन फीडरों पर बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। इसके लिए कंपनी ने सूचना जारी कर दी है। दो फीडर क्षेत्रों में बिजली कटौती का समय दोपहर बारह बजे से शाम चार बजे तक का रखा गया है। वहीं एक फीडर पर सुबह दस बजे कटौती का प्लान है। 11 केवी हरिशंकर पुरम फीडर पर सुबह दस बजे से दोपहर तीन बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे शिवपुरी लिंक रोड, झांसी रोड, बस स्टैंड, महेंद्रा शोरूम, देवनगर, विक्की फैक्ट्री तिराहा क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। 11 केवी शीलनगर फीडर पर दोपहर बारह से शाम चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे शीलनगर, नेहरू पार्क, दामोदर बाग क्षेत्र प्रभावित रहेगा। चंबल कालोनी उपकेंद्र पर दोपहर बारह से शाम चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। इससे चंबल कालोनी, गायत्री बिहार, न्यू दर्पण कालोनी, कृष्णा बिहार, विवेकानंद कालोनी, न्यू विवेकानंद कालोनी, सिल्वर स्टेट, हरगोविंदपुरम, जीवाजी विश्वविद्यालय मार्ग, सरस्वती नगर सहित अन्य क्षेत्र प्रभावित रहेंगे।

जिला अस्पताल में बिस्तर दोगुने पार, स्टाफ वही, पिस रहे मरीज

ग्वालियर। जिला अस्पताल मुरार में बिस्तर भले ही दोगुने पार हो गए हैं, लेकिन स्टाफ वही है। ऐसे में मरीज पिस रहा है। बिस्तर संख्या अधिक हो जाने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से देने में अस्पताल प्रबंधन भी हाथ खड़े कर रहा है। लिहाजा प्रबंधन ने संचालक संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं को पत्र लिखकर अतिरिक्त स्टाफ की मांग की है। संचालक अस्पताल प्रशासन को लिखे पत्र में कहा गया है कि चिकित्सालय में बिस्तर संख्या चार सौ पचास पहुंच गई है। जबकि चिकित्सालय को दो सौ बिस्तरीय मानव संसाधन स्वीकृत है। बिस्तर संख्या अधिक हो जाने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं देने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल प्रबंधन ने चार सौ बिस्तर के हिसाब से प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद सृजित करते हुए पदस्थापना करने की मांग संचालक संचालनालय स्वास्थ्य सेवाओं से की है। दरअसल, जिला अस्पताल में पहले से ही प्रविधानित पद के हिसाब से स्टाफ नहीं है। प्रविधानित पद के हिसाब से अस्पताल में 362 का स्टाफ होना चाहिए, लेकिन स्वीकृत पद महज 229 हैं। यह पद 200 बिस्तर के

हिसाब से भी कम हैं, लेकिन जिला अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मद से उन्नयन एवं निर्माण कार्य होने से बिस्तर संख्या 450 पहुंच गई है, लेकिन स्टाफ वही का वही है। ऐसे में मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में पर्याप्त डाक्टर तक नहीं है। प्रविधानित पद के हिसाब से अस्पताल में 56 डाक्टर होना चाहिए, लेकिन 35 डाक्टर ही यहां सेवाएं दे रहे हैं। चर्म रोग विशेषज्ञ, माइक्रोबायोलाजिस्ट चिकित्सक यहां तैनात नहीं हैं। इसके साथ ही चिकित्सा विशेषज्ञ, सर्जरी विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, निश्चेतना विशेषज्ञ, रेडियोलाजी विशेषज्ञ, पैथोलाजी विशेषज्ञ सहित अन्य विधाओं के चिकित्सकों की कमी लंबे समय से बनी हुई है।

सौ बिस्तर बढ़ाए, स्टाफ नहीं बढ़ा-जिला अस्पताल पहले दो सौ बिस्तर का था। इसका उन्नयन कर सौ बिस्तर बढ़ाए गए। जिससे बिस्तर संख्या तीन सौ हो गई, लेकिन निर्माण कार्य के बाद आपरेशन थियेटर, वार्ड, प्राइवेट वार्ड, आइपीएचएल लैब, ओपीडी व अन्य विभागों का निर्माण होने से बिस्तर संख्या चार सौ पचास तक पहुंच गई। स्टाफ दो सौ बिस्तर के हिसाब से ही रहने के कारण बढ़े हुई बिस्तर संख्या के हिसाब से मरीजों का इलाज करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।जिला अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मद से उन्नयन एवं निर्माण कार्य होने से बिस्तर संख्या लगभग चार सौ पचास हो गई है। जबकि चिकित्सालय को दो सौ बिस्तरीय मानव संसाधन स्वीकृत है। बिस्तर संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से चलाने में दिक्कत आती है। इसलिए हमने संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं से अतिरिक्त स्टाफ की मांग की है।

डा. राजेश शर्मा, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल मुरार

सूर्य व शनि मंदिर से उत्पन्न वास्तुदोष को दूर करने के लिए जौरासी में अष्ट महालक्ष्मी की प्राण प्रतिष्ठा होगी

ग्वालियर। ग्वालियर-झांसी मार्ग पर प्राचीन जौरासी के हनुमान मंदिर प्रांगण में तीन बीघा भूमि में श्री अष्ट महलाक्ष्मी का दिव्य और अदुभुत मंदिर बनकर तैयार है। इस मंदिर में महालक्ष्मी के साथ उनकी सात बहनों की प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ मुहूर्त की घड़ी आ गई है। सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक मार्च से शुरु होगा। इस घड़ी का शहरवासियों को अयोध्याधाम में रामलला जू की प्राण प्रतिष्ठा की तरह इंतजार था। क्योंकि आमधारण बन गई हैं कि मुरैना जिले के ऐंती गांव में रामायाण कालीन शनिदेव मंदिर पहले से है। बगैर वास्तुदोष का अध्ययन किये गोला का मंदिर में बिरला मंदिर शनिदेव के पिता भगवान सूर्यनारायण की प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। सनातनियों की ऐसी मान्यता है सूर्य व शनि रिश्ते में भले ही पिता-पुत्र हैं, लेकिन दोनों के बीच सामंजस्य नहीं है। इसी कारण से शहर का विकास बाधित है। इस वास्तुदोष को दूर करने के लिए जौरासी शनि, सूर्य मंदिर की ध्वजपताका की सीध में ही महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा की जा रही है। ऐसा लोगों का विश्वास है कि महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा से शहर विकास के पथ पर दौड़ेगा। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सात मार्च को आचार्य महामंडलेश्रर अध्यक्ष जून अखाड़ा व पीठाधीश्वर हिन्दू धर्म आचार्य सभा स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर शामिल होंगे।

अष्ट महालक्ष्मी की छह फीट ऊंची प्रतिमा की सातों बहनों के साथ प्राण-प्रतिष्ठा होनी है-अष्ट महालक्ष्मी की प्रतिमा वियतनाम के सफेद मार्बल से जबलपुर के कारीगारों द्वारा गढ़ी गई है। अदुभुत व आलौकित प्रतिमा अष्ट महालक्ष्मी के दोनों हाथों में कमल है। एक हाथ आशीर्वाद देने की दूसरा हाथ भक्तों पर अपनी कृपा बरसाने की मुद्रा में है। महालक्ष्मी कमल के फूल पर विराजित हैं और सुंदर गहने धारण किये हुये हैं। इनके चरणों में सफेद हाथी विराजित है। इनके साथ ही इनकी सात बहनों- आदि लक्ष्मी, धन लक्ष्मी, गज लक्ष्मी, धान्य लक्ष्मी,संतान लक्ष्मी, बीर लक्ष्मी,जय लक्ष्मी, विद्या लक्ष्मी सहित आठ दो-दो फीट की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी, इसके साथ ही मंदिर के प्रमुख द्वार पर प्रथम पूज्य श्रीगणेश व माता सरस्वती विराजित होंगीं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर दो हाथी भी विराजित किये गये हैं, जिनकी सूंड आकाश की तरफ है।

भूतल सत्संग भवन व संत निवास भी है-तीन बीघा में बनाये गये मंदिर के भूतल में सत्संग भवन और संत निवास हैं। संत निवास दूर-दराज से आने वाले संतों व मुनियों के आदर व सम्मान के साथ ठहर सकेंगे। सत्संग हाल का उपयोग धार्मिक आयोजन के लिए किया जायेगा।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एक मार्च से शुरु होगा-ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय चतुर्वेदी ने बताया कि महालक्ष्मी जी के मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एक मार्च से भव्य कलश यात्रा के साथ शुरु होगा। कलश यात्रा में प्रदेश की मंत्री कृष्णा गौर विशेष रूप से शामिल होंगीं। दूसरे दिन पंचांग व मंडप प्रवेश होगा। तीन मार्च को मंडप पूजन वेदी पूजन और प्रतिमाओं को जलाधिवास कराया जायेगा। चौथे दिन मंडप पूजन, अग्नि स्थापना, अन्नाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास,वस्त्राधिवास मिष्ठानधिवास वास्तु पूजन होगा। पांचवे दिन मंडप पूजन, मूर्ति स्पन, प्रसाद स्पन नगर भ्रमण मूर्ति न्यास व शैय्यादिवास होगा। छठवें दिन मंडप पूजन प्राण-प्रतिष्ठा पूर्णाहूति व विसर्जन होगा। सातवें दिन सुबह 11 बजे वेद पाठ लोकार्पण व भंडार होगा। महालक्ष्मी की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए वाराणसी से13 वेद पाठी आचर्यो को आमंत्रित किया गया है।

डबरा में शादी समारोह में चली गोली एक बाउंसर की मौत, साथी फरार

ग्वालियर. डबरा। ग्वालियर-झांसी हाइवे जलसा गार्डन में शुक्रवार को सिख समाज की ओर से शादी समारोह का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान ग्वालियर के एक बाउंसर की अचानक गोली लगने से मौत हो गई। वही उसका साथी मौके से भाग निकला, जिसके चलते पुलिस ने बाउंसर के साथी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।जानकारी के अनुसार जलसा गार्डन में पलविंदर सरदार की बेटी की शादी थी। यहां पर रायल कंपनी ग्वालियर के दो बाउंसर आकाश प्रजापति निवासी थाटीपुर और प्रिंस शर्मा को बुलाया गया था। शुक्रवार दोपहर खाने के स्टाल के समीप आकाश प्रजापति खड़ा हुआ था। इसी दौरान बंदूक चली और गोली आकाश के सिर्फ में जा लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर सिटी थाना प्रभारी पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की जिसपर यह बात सामने आई कि उसका साथी प्रिंस शर्मा घटना के बाद से भाग गया है। जांच के बाद पुलिस ने प्रिंस शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गोली कैसे चली, खुलासा नहीं आकाश प्रजापति और प्रिंस शर्मा बाउंसर के रूप में ग्वालियर से शादी समारोह में आए हुए थे। गोली कैसे चली इसकी जांच अभी नहीं हो पाई है, क्योंकि प्रिंस शर्मा पुलिस की गिरफ्त से दूर है। वहीं पुलिस ने इस संबंध में बताया कि प्रिंस शर्मा के पकड़ने पर सारी स्थिति साफ हो जाएगी।शादी समारोह में गोली चलने से बाउंसर की मौत हो गई है, वहीं उसका साथी फरार चल रहा है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि उसके साथ ने ही गोली चलाई है। गोली कैसे चली अभी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है, क्योंकि प्रिंस शर्मा भाग गया है। पुलिस जल ही उसे पकड़ लेगी।

कारोबारियों ने तीसरे दिन लश्कर के सराफा बाजार में दिया धरना

ग्वालियर. शहर में कारोबारियों के साथ हुई आपराधिक घटनाओं के चलते तीसरे दिन लश्कर के सराफा बाजार में कारोबारियों ने धरना दिया। चैंबर आफ कामर्स के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सराफा बाजार की दुकानें बंद रहीं। धरने के दौरान चैंबर अध्यक्ष डा. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि लूट की घटनाएं बहुत बढ़ीं हैं, लेकिन इन घटनाओं के विरोध में व्यापारियों ने जो एकता दिखाई वह मिसाल है। इस आंदोलन में सिर्फ सोना-चांदी व्यवसायी ही नहीं बल्कि कपड़ा, किराना, लोहा कारोबारी भी जुड़ चुके हैं। इस आंदोलन का ही असर है कि ग्वालियर में हुई लूट की घटनाओं में आरोपित पकड़े जा चुके हैं। उपाध्यक्ष डा.राकेश अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों को हमेशा एकजुट रहना चाहिए, क्योंकि एकजुटता से शासन-प्रशासन से अपनी मांगों को मनवा सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन के दौरान सोना-चांदी व्यवसायी संघ के पारस जैन, स्वर्णकार समिति मुरार के अध्यक्ष संजय मंगल, कार्यकारिणी समिति सदस्य दीपक जैन सहित कई व्यापारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

डा. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि जिस दिन हमने आंदोलन की रूपरेखा बनाई थी, उस दिन हमें उम्मीद नहीं थी कि हमारा यह आंदोलन इतनी जल्दी चरम पर पहु?चेगा और सफलता अर्जित करेगा। यह हमारे आंदोलन का ही परिणाम था कि हमारे जनप्रतिनिधियों ने भी पुलिस प्रशासन को अपराधियों को शीघ्र पक?ने का निर्देश दिया। इस आंदोलन के माध्यम से हमारा प्रयास प्रशासन पर दबाव बनाना तो था ही, दूसरा कारण था कि अपराधी यह न सोचें कि वह व्यापारी के साथ घटना कारित होने पर व्यापारी के पीछे बोलने वाला कोई नहीं है। हम अपराधियों को भी यह संदेश देने में कामयाब हुए हैं। उपाध्यक्ष डा. राकेश अग्रवाल ने कहा कि व्यापारियों को हमेशा एकजुट रहना चाहिए क्योंकि हमारी एकजुटता से ही हम शासन-प्रशासन से अपनी मांगों को मनवा सकते हैं। धरना स्थल पर अपनी बात रखते हुए मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल ने कहा कि सोना-चांदी व्यवसायियों के साथ हुई लूट की घटनाओं पर व्यापारियों ने जिस प्रकार एकजुटता दिखाते हुए धरना-प्रदर्शन को सफल बनाया है, उसके लिए सभी व्यवसायी धन्यवाद के पात्र हैं।

ग्वालियर में किसान आंदोलन को लेकर पुलिस रही अलर्ट, फूलबाग पर प्रदर्शन, कुछ शहर के बाहर रोके गए

ग्वालियर(नप्र)। देशव्यापी किसान आंदोलन का असर ग्वालियर में भी दिखा। हाइवे से लेकर शहर के अंदर तक पुलिस का कड़ा पहरा था। हाइवे पर किसानों की टोलियों को शहर के अंदर प्रवेश करने से पहले ही रोक लिया गया। कई किसान सब्जी, फल, दूध के बहाने शहर में आ रहे थे, इन्हें भी लौटा दिया गया। इसका असर मंडियों में भी दिखा।

ग्वालियर में भी किसान आंदोलन का असर-दरअसल, देशभर में चल रहे किसान आंदोलन के चलते शहर में शुक्रवार को पुलिस मुस्तैद थी। शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया गया था। ग्वालियर में भी बंद को लेकर किसान संगठनों ने प्लानिंग कर रखी थी। इंटरनेट मीडिया पर कई पोस्ट किसान आंदोलन को लेकर जारी हुई थीं। इसके चलते पुलिस सुबह से ही अलर्ट थी। महाराजपुरा, पुरानी छावनी, शिवपुरी लिंक रोड, झांसी रोड, डबरा हाइवे पर पुलिस तैनात थी।

लेखक और उनकी रचना को याद रखें, व्याकरण के ज्ञान के साथ भाषा शुद्ध लिखें

ग्वालियर. । सीबीएससी की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक आ चुकी हैं। विद्यार्थी तैयारियों में जुटे हुए हैं, क्योंकि हर विद्यार्थी अच्छे अंक जुटाने के लिए मेहनत कर रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि अच्छे अंक के लिए आपको सही जवाब के साथ सुंदर व शुद्ध लेखन बहुत आवश्यक है। नहीं तो आप हिन्दी जैसे प्रश्न पत्र में भी फेल भी हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आपको प्रश्न का उत्तर लिखने की शैली आना चाहिए। जिसमें आप वही लिखें जो पूछा गया है। शुद्ध भाषा में लिखें। लिखावट ऐसे हो जिससे आपके द्वारा लिखे जवाब को पढ़कर समझ में आए कि आप क्या कहना चाहते हैं और जो प्रश्न में पूछा गया वही आप बता रहे हैं। कुछ इन्हीं आइआइटीएस की शिक्षिका इंदू पचौरी का कहना है कि हिन्दी बहुत ही सरल और कठिन भाषा है। हिन्दी में व्याकरण, मात्राओं का ज्ञान होना जरूरी है। क्योंकि इनका ज्ञान ना होने पर भाषा अशुद्ध लिखते हैं इससे आपके द्वारा लिखे गए शब्द का अर्थ का अनर्थ होता है। जिससे अंक कट जाते हैं। इसलिए लेखनी भी सुंदर होना चाहिए लेकिन वह तभी जब आपके द्वारा जो शब्द लिखा जा रहा है वह शुद्ध हो। इसके साथ ही आपने विषय के जो चैप्टर पढ़े है। उनके लेखक के नाम व उनकी रचनाएं याद रखें। इसके साथ ही उन लेखक की विद्या को भी याद रखें कि लेखक की विद्या कहानी, उपन्यास, कविता आदि क्या है। एक चैप्टर को पढ़िए, उसे अच्छे से समझिए और उसकी समरी लिखने की प्रैक्टिस कीजिए।

पत्र व निबंध की प्रस्तावना बनाएं-शिक्षक का कहना है कि परीक्षार्थी को निबंध और पत्र लेखन की कला आना चाहिए। जब आप निबंध लिखें तो उसकी प्रस्तावना बनाएं। इसके बाद जिस विषय पर निबंध लिख रहे हैं उसे आगे बढ़ाएं। इसी तरह से पत्र लिखते समय जिस व्यक्ति को पत्र लिख रहे पहले उसका नाम, पदनाम लिखें, फिर विषय में पत्र किस बात को लेकर लिख रहे वह लिखें, उसके बाद आप अपनी जो बात कहना चाहते है वह पूरी बात लिखें, इसके बाद भवदीय में अपना नाम, तिथि, पत्र आदि लिखें। इसी तरह से जिस विषय पर निबंध लिख रहे है उसकी हैडिंग, प्रस्तावना फिर मानव जीवन में उपयोगिता और फिर निष्कर्ष जरूर लिखें।

कविता, सोरठा और चौपाई को समझें-

विद्यार्थियों को चाहिए कि वह हिन्दी में समाहित हर चीज को समझें। जिसमें वह व्याकरण के बारे में जरूर जानें। जैसे अलंकार कितने प्रकार के हैं, उनके बारे में उनके बीच अंतर को समझें। इसी तरह से छंद में दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया और कविता के बारे में जानें। इसी तरह से रस कितने प्रकार के है इसकी जानकारी जरूरी है। किस रस का क्या मतलब है इनके बीच क्या अंतर है। दस प्रकार के रस का ज्ञान होना जरूरी है।

परीक्षा के पैटर्न को जानें-यदि आपने हिंदी सिलेबस को अच्छी तरह से समझ लिया है तो उसके बाद यह बहुत जरूरी है कि आप हिंदी परीक्षा पैटर्न से भी वाकिफ हो जाएं। हिंदी परीक्षा पैटर्न को जानना अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपको हिंदी विषय की परीक्षा के लिए प्रिपरेशन की प्लानिंग करने में मदद करेगा। इसके साथ आपको यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि आपको एग्जाम पेपर कैसे अटेम्प्ट करना चाहिए।

पिछले साल के प्रश्न पत्रों को हल करें-यह बहुत अधिक जरूरी है कि विद्यार्थी पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करें। पिछले साल के प्रश्न पत्रों को हल करने से आप यह समझ पाएंगे कि हिंदी एग्जाम में किस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं। और उन सब्जेक्ट्स की पहचान करने के योग्य होंगे जो हिंदी एग्जाम के लिए अधिक जरूरी हैं

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478